हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 25 जनवरी 2025 | अंक 104/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में भयंकर धमाका

भंडारा.

"महाराष्ट्र के भंडारा जिले में स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में भयंकर धमाका हुआ है। इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गई है और 7 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर सामने आई है।" भंडारा के जवाहरनगर स्थित आयुध/ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विस्फोट फैक्ट्री के आरके ब्रांच सेक्शन में हुआ है। प्रारंभिक जानकारी से पता चला है कि इस हादसे में 7 लोग घायल हुए हैं। वहीं, अब तक 8 व्यक्तियों की मौत की भी खबर सामने आई है। जिला नियंत्रण कक्ष पर प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज सुबह लगभग 10 बजे आयुध निर्माणी जवाहर नगर में विस्फोट हुआ।

प्रारंभिक जानकारी मिली है कि इसमें काम कर रहे कुछ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, घटनास्थल पर जीवित बचे लोगों के लिए फायर ब्रिगेड विभाग, पुलिस विभाग, तहसीलदार और अन्य आवश्यक प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। मौके पर एसडीआरएफ को अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई है। भंडारा में हुए ब्लास्ट के संबंध में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भंडारा के ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बड़ा विस्फोट हुआ है। इसमें 8 लोगों की मृत्यु हुई है, 7 जख्मी हुए हैं। यह प्राथमिक रिपोर्ट आई है।

नितिन गडकरी एक कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने वहीं पर मृतकों को श्रद्धांजलि दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस पूरी घटना पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट किया- "महाराष्ट्र के भंडारा में ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। बचाव दल घटनास्थल पर तैनात हैं।

प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। इस घटना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- "ऐसी खबरें हैं कि भंडारा जिले में एक आयुध कारखाने में विस्फोट के कारण छत गिरने से 13 से 14 श्रमिक फंस गए। उनमें से 5 को सुरक्षित निकाल लिया गया है। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक घटनास्थल पर हैं और हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ और नागपुर नगर निगम की टीमों को भी बुलाया गया है और वे जल्द ही पहुंच जाएंगी। जिला प्रशासन रक्षा बलों के साथ समन्वय करके राहत कार्य में भाग ले रहा है। चिकित्सा सहायता के लिए भी टीमें तैयार रखी गई हैं। अब तक प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्भाग्यवश इस घटना में एक श्रमिक की मृत्यु हो गई है। मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। हम उनके परिवारों के दुःख में शामिल हैं। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।"

भयंकर धमाका

अब तक 8 की मौत...

13 से 14 लोगों को बचाया गया

एक अधिकारी ने बताया है कि भंडारा आयुध फैक्टरी में विस्फोट के कारण इकाई की छत ढह गई है। घटनास्थल से 13 से 14 लोगों को बचाया गया है। पुलिस एवं अधिकारियों ने बताया है कि फैक्टरी में राहत और बचाव कार्य जारी है। इस पूरे मामले में जांच जारी है। इस विस्फोट से जुड़ा एक डरावना वीडियो भी सामने आया है।

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जताया शोक
- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक
- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दी श्रद्धांजलि

उत्तराखंड में इसी महीने लागू होगा यूनिफॉर्म सिविल कोड

नई दिल्ली. उत्तराखंड में जल्द ही यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता) लागू कर दिया जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) इसी महीने यानी जनवरी में ही लागू किया जाएगा। सीएम धामी ने कहा कि समान नागरिक संहिता नियमावली को मंजूरी मिल चुकी है। उत्तराखंड कैबिनेट ने 20 जनवरी को इसकी मंजूरी दी थी।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की जनता ने यूसीसी के लिए हमें जनादेश दिया है। हम वादा पूरा कर रहे हैं। किसी भी धर्म के लोगों टारगेट नहीं कर रहे है। यूसीसी लागू होने से तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों को परेशानी हो रही है। 26 जनवरी को लागू करने का ऐलान कर सकती है सरकार, सीएम धामी ने संकेत दिया कि समान नागरिक संहिता इसी महीने के अंत में लागू किया जाएगा। उन्होंने यह तो नहीं बताया कि किस तारीख हो यूसीसी लागू किया जाएगा लेकिन इतना संकेत जरुर दिया कि सरकार गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) पर यूसीसी लागू करने की घोषणा कर सकती है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उनकी सरकार यूसीसी इसी महीने लागू करने की तैयारी कर रही है। यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनेगा। यूसीसी की गंगा देवभूमि से निकल रही है।

लालपरी की नई किराया बढ़ोत्तरी आज से

मुंबई.

विधानसभा चुनाव के बाद अब महागठबंधन सरकार ने आम आदमी की जेब काटने वाला फैसला लिया है. एसटी निगम ने सभी प्रकार की एसटी बस यात्रा का किराया बढ़ाने का फैसला किया है। कीमत में 14.95 फीसदी तक की बढ़ोतरी का फैसला किया गया है. इसलिए लालपरी, शिवनेरी, शिवशाही बसों का यात्रा किराया बढ़ जाएगा। विधानसभा चुनाव से पहले एसटी निगम द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में कुल 18 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव किया गया था। हालांकि, अब इसे संशोधित कर 14.95 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार किया गया है. चुनाव के दौरान यह प्रस्ताव ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। लेकिन, अब एसटी के निदेशक मंडल ने इस दर वृद्धि को मंजूरी दे दी है। अब यह नई किराया बढ़ोत्तरी आज की आधी रात से लागू होने जा रही है.

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

10 विपक्षी सांसद एक दिन के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली.

वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) दिल्ली में बैठक जारी शुक्रवार सुबह 11 बजे बैठक शुरू होने के बाद हंगामा होने लगा। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें ड्राफ्ट में प्रस्तावित बदलावों पर रिसर्च के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। समिति आज कश्मीर के धार्मिक प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुन रही है। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों में बहस हो गई। बहस और हंगामे के चलते बैठक कुछ देर के लिए रोकनी पड़ी। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा दिल्ली चुनावों के कारण ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को संसद में जल्दी पेश करने पर जोर दे रही है। बनर्जी ने कहा कि समिति की कार्यवाही एक तमाशा बन गई है। इसके बाद टिएमसी सांसद कल्याण बनर्जी और कांग्रेस सदस्य नसीर हुसैन उठकर बाहर चले गए। समिति ने 10 विपक्षी सांसदों को एक दिन के लिए सस्पेंड कर दिया है। लखनऊ में हुई बैठक करने के बाद अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि 24 जनवरी को जेपीसी की आखिरी बैठक होगी। इसके बाद वे 31 जनवरी को होने वाले बजट सत्र के दौरान संसद में रिपोर्ट पेश होगी। पाल ने कहा- पिछले 6 महीने में हमने अकेले दिल्ली में 34 बैठकें की हैं। जेपीसी सभी चर्चाएं अच्छे माहौल में हुई हैं। मुझे उम्मीद है हमारी रिपोर्ट से लोगों को फायदा होगा।

विपक्ष की ओर से लोकसभा में डीएमके के मुख्य सचेतक ए राजा ने 24 और 25 जनवरी की बैठक स्थगित करने की मांग की है। जगदंबिका पाल को लिखे लेटर में राजा ने कहा- "यह कहने की जरूरत नहीं है कि पटना, कोलकाता और लखनऊ में जेपीसी के दौरे 21 जनवरी को ही पूरे हो गए थे। अजीब बात यह है कि तारीखों की घोषणा बिना जेपीसी की अगली बैठक जल्दबाजी में की गई, जबकि जेपीसी पहले से ही दौरे पर थी।"

हिमाचल में भांग की खेती को मंजूरी

शिमला.

हिमाचल प्रदेश की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार ने शुक्रवार को बड़ा फैसला लिया. कैबिनेट ने सैद्धांतिक रूप से भांग की खेती को मंजूरी दी. साथ ही रोहड़ू के डिग्री कॉलेज का नाम बदलकर राजा वीरभद्र सिंह गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज करने का फैसला लिया. हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का 27 दिसंबर 2017 को निधन हो गया था. उनके बेटे विक्रमादित्य सिंह इस समय सुक्खू कैबिनेट में मंत्री है. सिंह की पत्नी हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष हैं.

कुछ समय पहले जब सिंह परिवार को सीएम सुक्खू से नाराजगी हुई तो उन्होंने कहा कि वीरभद्र सिंह को उचित सम्मान नहीं मिला. विक्रमादित्य सिंह ने पिता के स्मारक के लिए जमीन का मुद्दा भी उठाया था, तब आलाकमान के हस्तक्षेप के बाद दोनों में रजामंदी बनी. कैबिनेट ने हिमाचल प्रदेश में होम स्टे नीति पर भी मोहर लगाई है. कुल्लू जिला के तांदी में आग की भेंट चढ़े मकानों को 7 लाख की मदद मिलेगी. आंशिक रूप से जले मकान को 1 लाख और गौशाला के लिए 50 हजार रुपये देने की मंजूरी प्रदान की गई है. साथ ही 24 नई वीएस6 वॉल्वो बसों को खरीदने की मंजूरी दी गई है. इसके साथ ही सरकार ने आईजीएमसी हॉस्पिटल, टिएससी और चमियाना में रोबोटिक सर्जरी के लिए मशीनें खरीदने की मंजूरी दी. इसके अलावा मत्स्य विभाग में 28 पदों और 9 विकास खंड अधिकारी के पदों को भरने की मंजूरी मिली.

सरकार का फैसला

मुंबई. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रैल से दिसंबर 2024 तक 9 महीनों के लिए स्वीकृत अनुदान में से, महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों को लागू करने के लिए 89.00 लाख रुपये (वस्तुतः निन्यानबे लाख रुपये मात्र) का अनुदान दिया जाएगा। उपरोक्त संदर्भ संख्या 2 में सरकार के निर्णय के अनुसार इस अवधि के दौरान व्यय करने के लिए 60% की प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। योजना एवं वित्त विभाग ने 26 जनवरी, 2025 को गेटवे ऑफ इंडिया, मुंबई में कवि सम्मेलन के आयोजन के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उक्त राशि में से 15.00 लाख रुपये के वितरण को मंजूरी दे दी है।

साहित्य अकादमी का कवि सम्मेलन

मुंबई. महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी को फड़णवीस सरकार ने कवि सम्मेलन के लिए 15 लाख रुपये का फंड देने का फैसला किया है. उर्दू साहित्य अकादमी को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 2 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया गया है. जिसमें से 15 लाख रुपये देने के फैसले को अब सरकार ने मंजूरी दे दी है. इस संबंध में सरकार की ओर से एक आधिकारिक पत्र भी जारी किया गया है. 26 जनवरी 2025 यानी गणतंत्र दिवस पर महाराष्ट्र राज्य उर्दू साहित्य अकादमी की ओर से मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है. सरकार ने शुक्रवार को एक सर्कुलर जारी कर इस कार्यक्रम के लिए 15 लाख रुपये की सब्सिडी बांटने के फैसले को मंजूरी दे दी है.

खत्म होगी रूस-यूक्रेन जंग?

ट्रंप से बातचीत के लिए तैयार पुतिन

वाशिंगटन.

रूस और यूक्रेन के बीच जंग जारी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मौकों पर कह चुके हैं कि वो इस जंग का खात्म चाहते हैं। ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान से लेकर राष्ट्रपति पद की शपथ लेने तक इस मुद्दे पर बयान दिया है। ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि वो जल्द ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात करेंगे। इस बीच खबर है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत करने के लिए तैयार हो गए हैं। इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि जेलेंस्की तैयार हैं, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के साथ "समझौता करना चाहिए।" उन्होंने पुतिन को यूक्रेन में 'बेवकूफी भरी जंग' खत्म करने या फिर ऊंचे शुल्क और प्रतिबंधों का सामना करने की चेतावनी भी दी थी।

रूस को समझौता करना चाहिए' बृहस्पतिवार को 'ओवल ऑफिस' में पत्रकारों से बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि मुझे लगता है कि उन्हें (पुतिन को) समझौता करना चाहिए। उन्होंने कहा था, "रूस को एक समझौता करना चाहिए। हो सकता है कि वो समझौता करना चाहते हों। मुझे लगता है, मैंने जो सुना है, उसके अनुसार पुतिन मुझसे मिलना चाहेंगे और हम जल्द से जल्द मिलेंगे। मैं तुरंत मिलूंगा। युद्ध के मैदान में सैनिक मारे जा रहे हैं।"

क्या हसीना ने आंखों में धूल झोंकी?

ढाका. बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार ने गुरुवार को एक ऐसा बयान दिया जिसके बाद सब हैरत में हैं. मोहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल में देश के हाई ग्रोथ रेट को नकली बताया और उन्होंने दुनिया पर भी उनके 'भ्रष्टाचार' के बारे में सवाल न उठाने का आरोप लगाया. हसीना की सत्ता के 15 सालों को अर्थव्यवस्था और देश के विशाल वस्त्र उद्योग की कायापलट के लिए श्रेय दिया जाता है, हालांकि आलोचकों ने उन पर मानवाधिकारों के उल्लंघन और स्वतंत्र अभिव्यक्ति और असहमति को दबाने का आरोप लगाया है. अब मोहम्मद यूनुस ने उनके इसी विकास पर सवाल खड़े कर दिए हैं. स्विस अल्पाइन रिसॉर्ट में वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की सालाना बैठक के दौरान रॉयटर्स को दिए गए इंटरव्यू में यूनुस ने कहा कि हमारी विकास दर बाकी सभी से आगे थी, ये पूरी तरह से नकली विकास दर. उन्होंने कहा, "वह (शेख हसीना) दावोस में सभी को बता रही थीं कि देश कैसे चलाया जाता है. किसी ने इस पर सवाल नहीं उठाया, यह बिल्कुल भी अच्छी विश्व व्यवस्था नहीं है. पूरी दुनिया इसे संभव बनाने के लिए जिम्मेदार है."

सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली.

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल कहा, "पूरी दुनिया जानती है कि आतंकवाद को कौन बढ़ावा दे रहा है। भारत में जब आतंकवाद से संबंधित हमले होते हैं, तो यह कहां से आ रहा है, हम सभी सीमा पार आतंकवाद की उत्पत्ति और जड़ को समझते हैं। हर कोई जानता है कि ऐसे लोग और ऐसे देश हैं, जो सीमा पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार हैं, और हम पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने का आह्वान करते हैं। अमेरिका में नई इमिग्रेशन पॉलिसी लागू कर दी गई है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "हम अवैध आव्रजन के खिलाफ हैं। यह संगठित अपराध के कई रूपों से जुड़ा हुआ है। केवल अमेरिका में ही नहीं, बल्कि दुनिया में कहीं भी रहने वाले भारतीय अगर निर्धारित समय से अधिक समय तक किसी देश में रह रहे हैं, या वो उचित दस्तावेजों के बिना किसी देश में हैं, तो हम उन्हें वापस ले लेंगे।" बांग्लादेश को लेकर रणधीर जायसवाल ने कहा, "भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पर बाड़ लगाने के लिए कई समझौते हुए हैं। सीमा पर बाड़ लगाना इसलिए जरूरी है ताकि अपराध संबंधी घटनाओं को रोका जा सके। बाड़ की गतिविधि दोनों देशों के बीच समझौते के अनुसार ही हो रही है, समझौते को लागू करने के लिए दोनों देशों को एक साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।"

एमपी के 17 शहरों में शराबबंदी: सीएम यादव

भोपाल.

गुजरात और बिहार के बाद मध्य प्रदेश में भी राज्य सरकार शराबबंदी की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद शराबबंदी का पूरा प्लान बताया है। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे करके राज्य शराबबंदी की तरफ आगे बढ़े, इसलिए सरकार ने पहले चरण में 17 धार्मिक शहरों में हमेशा के लिए शराब की दुकानें बंद करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने आने वाले चरणों का प्लान विस्तार से नहीं बताया, लेकिन इस बात के संकेत दिए हैं कि आने वाले कुछ साल में मध्य प्रदेश में भी पूर्ण शराबबंदी हो सकती है। लगभग एक दशक पहले बिहार में राज्य सरकार ने शराबबंदी करने का फैसला किया था। हालांकि, अभी भी बिहार शराब मुक्त राज्य नहीं बना है। यहां अवैध शराब की बिक्री के कई मामले सामने आते रहते हैं। कई मौकों पर जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत भी हुई है। बिहार की तुलना में गुजरात में बेहतर तरीके से शराबबंदी लागू की गई। यह राज्य देश के अग्रिणी राज्यों में से एक है। गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर में शराबबंदी पर बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा "मैं दोबारा बड़ा निर्णय कर रहा हूं।

समाज में नशाखोरी की आदत खासकर शराब से परिवार के परिवार बर्बाद हो जाते हैं। यह बड़ा कष्ट का विषय है। शराब से सामाजिक बुराई आती है इसलिए हमने संकल्प लिया है कि हमारे सरकार के माध्यम से 17 अलग-अलग धार्मिक नगरी में शराबबंदी लागू होगी।

धार्मिक शहरों के अंदर शराब की दुकानों पर ताले लग जाएंगे।" 17 नगरों में पूर्ण शराबबंदी, मोहन यादव ने गुरुवार को कहा, "मध्य प्रदेश के 17 धार्मिक शहरों और कस्बों में सभी प्रकार की शराब पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी जाएगी। हमारे खिलाड़ी भी जानते हैं कि नशा, खासकर शराब का सेवन, परिवारों को बर्बाद कर देता है। हमारे राज्य के 17 धार्मिक शहरों और कस्बों में सभी प्रकार की शराब, चाहे वह देसी हो या विदेशी, पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी जाएगी और यहां मौजूद सभी शराब की दुकानें बंद कर दी जाएंगी।"

इन शहरों में बंद होंगी शराब की दुकानें

महाकाल की नगरी उज्जैन. ओंकारेश्वर महेश्वर, नर्मदा तट प्राचीन मंदिर. राम राजा मंदिर ओरछा, जिला निवाड़ी. मैहर शारदा मंदिर. सलकनपुर बीजासन मंदिर, जिला सीहोर. जानापाव, जिला इंदौर. पीतांबरा पीठ, जिला दतिया. नलखेड़ा, जिला आगर मालवा. महेश्वर, जिला खरगोन. पशुपतिनाथ मंदिर, जिला-मंदसौर. मां नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक. मंडला नर्मदा घाट. मुलताई ताप्ती नदी का उद्गम स्थल. जबलपुर संस्कारधानी नर्मदा घाट. चित्रकूट राम घाट. बरमान नर्मदाघाट. पन्ना जुगलकिशोर मंदिर.

नेता प्रतिपक्ष के लिए डेढ़ साल का फॉर्मूला ?

शरद पवार की जिद, लेकिन कांग्रेस का विरोध का दावा

मुंबई. विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाड़ी में विपक्ष की बेंच पर बैठे किसी भी दल को विपक्ष के नेता पद के लिए जरूरी ताकत नहीं मिली. इसलिए राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद अभी तक जारी नहीं किया गया है. लेकिन अब विपक्ष नेता की कुर्सी के लिए एक अलग प्रयोग कर सकता है. इस पद का लाभ तीनों पार्टियों को डेढ़-डेढ़ वर्षों के फॉर्मूले पर विचार किया जा रहा है. राज्य विधानमंडल में विपक्ष के नेता का पद जीतने के लिए विपक्ष की किसी पार्टी के पास सदन की कुल सदस्यों की संख्या का 10 प्रतिशत होना आवश्यक है। महाराष्ट्र विधान सभा में 288 सदस्य हैं। इसलिए, विपक्ष के नेता के पद के लिए विपक्षी बेंच पर एक पार्टी के पास कम से कम 29 विधायकों की ताकत होनी चाहिए। लेकिन महाविकास अघाड़ी में किसी भी दल के पास इतना संख्या बल नहीं है. वर्तमान में शिवसेना उद्धव बाला साहेब ठाकरे पार्टी के पास 20 विधायक, कांग्रेस के पास 15 विधायक और एनसीपी शरद चंद्र पवार की पार्टी के पास 10 विधायक हैं। इनमें से कोई भी दल विपक्ष के नेता की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता है। इसलिए यह पद अब तक खाली है. सूत्रों के मुताबिक शरद पवार ने विधानमंडल के बजट सत्र से पहले विपक्षी नेता की अनबन को दूर करने की पहल की है. इसके लिए उन्होंने महाविकास अघाड़ी में तीनों दलों को डेढ़-डेढ़ साल के लिए यह पद देने का प्रस्ताव रखा है. लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया है. कांग्रेस ने इस बात पर जोर दिया कि इस मुद्दे का समाधान दोनों सदनों में संख्या बल के आधार पर किया जाना चाहिए.

किसानो का बजट
15 फीसदी बढ़ा सकती है सरकार

> किसानों को होगा फायदा?

नई दिल्ली.

देश का बजट पेश होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं. ऐसे में देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी जिस सेक्टर पर निर्भर करती है, उस सेक्टर के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपना खजाना खोल सकती हैं. इस बार देश में खेती-किसानी और कृषि सेक्टर का बजट 15 प्रतिशत तक बढ़ सकता है. इससे देश के किसानों को क्या फायदा होगा? देश में ग्रामीण आय को बढ़ावा देने और ग्रामीण इलाकों में महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए सरकार लगातार कोशिश कर रही है. ऐसे में सरकार कृषि के बजट को 20 बिलियन डॉलर (करीब 1.75 लाख करोड़ रुपए) तक कर सकती है. ये बीते 6 साल में कृषि बजट में सबसे बड़ी ग्रोथ होगी. वर्तमान में कृषि बजट 99.41 अरब रुपए है. सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि सरकार ग्रामीण इलाकों में इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने पर ध्यान दे रही है. किसानों को सरकार पहले ही 'किसान सम्मान निधि योजना' का लाभ दे रही है. इसके तहत उन्हें हर साल 3 समान किस्तों में कुल 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता मिलती है. सरकार चाहती है कि किसान इस अतिरिक्त नकदी का उपयोग जहां जीवनस्तर बेहतर करने में करें. वही बजट में होने वाली धन की बढ़ोतरी से सरकार की कोशिश ज्यादा उपज देने वाली बीज किस्मों को विकसित करने, स्टोरेज और सप्लाई इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के साथ-साथ दलहन, तिलहन, सब्जियों और डेयरी उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा. कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए सरकार बजट में कई कृषि जिंसों के एक्सपोर्ट पर बैन तो कई के

पैदावार के बावजूद महंगाई की समस्या

❑ सरकार के सामने इस समय एक बड़ी समस्या महंगाई की है. चावल, गेहूं और चीनी के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है. इसके बावजूद वह खाद्यान्नों की ऊंची कीमतों से जूझ रहा है. अक्टूबर 2024 में खाद्य महंगाई दर सालाना आधार पर 10% से अधिक बढ़ गई थी. उसके बाद इसमें नरमी आई है फिर भी बीते पूरे दशक में ये औसत 6% से अधिक रही है.

आयात को आसान बनाने पर काम कर सकती है. अभी भी देश में गेहूं समेत कई जिंस पर एक्सपोर्ट बैन लगा है. वहीं दाल की कुछ किस्मों के लिए आयात नीति का विस्तार किया है. कृषि सरकार की उन प्राथमिकताओं में से एक है जिस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को बजट पेश करते समय जोर देंगी.

सोने की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली. सोने-चांदी के बाजार में पिछले कई दिनों से उठा-पटक देखने को मिल रही है. गुरुवार को दिल्ली के बाजारों में सोने की कीमतों में बंपर उछाल देखने को मिला था. लेकिन आज यानी शुक्रवार के दिन सोना फिर से सस्ता हो गया. देश की राजाधानी के सर्राफा बाजार में आज सोना पिछले दिन के मुकाबले सस्ते में है. दिल्ली में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 82253.0 रुपये/10 ग्राम है. सोने की कीमत में प्रति ग्राम 20 रुपये की कमी आई है.

वहीं, चांदी का रेट सेम है.दिल्ली में आज सोने की कीमत 8225.3 रुपये प्रति ग्राम है और 22 कैरेट सोने की कीमत 7541.3 रुपये प्रति ग्राम है. 24 कैरेट सोने के भाव में पिछले सप्ताह 0.05% का उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. वहीं, अगर पिछले महीने की बात करें तो गोल्ड रेट में 4.64 फीसदी की गिरावट आई है. वहीं, चांदी पिछले दिन की तरह आज भी 99,500 रुपये प्रतिग्राम पर ही है. इसमें कोई चेंज नहीं आया है. वहीं, जहां दिल्ली में सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिल रही है. वहीं, चेन्नई में 10 ग्राम सोने का भाव 82,101 रुपये दर्ज किया गया. जो कि कल 81261 पर था और पिछले सप्ताह 81301 रुपये के रेट से ज्यादा है. वही, चेन्नई में चांदी का भाव 106600.0 प्रति किलोग्राम है, दिल्ली की तरह यहां भी चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं आया है.

भारतीय फार्मा कंपनी की जेनेरिक दवाई को यूएसएफडीए की मंजूरी

नई दिल्ली. एचआईवी संक्रमण और एड्स की बीमारी के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। दरअसल अमेरिका की स्वास्थ्य नियामक संस्था ने एक भारतीय फार्मा कंपनी की जेनेरिक दवाई को इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। मंजूरी पाने वाली भारतीय फार्मा कंपनी ल्यूपिन ने बयान जारी कर कहा है कि यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने ल्यूपिन की एचआईवी के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाई को अभी अस्थायी तौर पर मंजूरी दी है। बयान में कहा गया है कि यह मंजूरी अमेरिकी राष्ट्रपति के इमरजेंसी प्लान फॉर एड्स रिलीफ के तहत दी गई है। मुंबई स्थित फार्मा कंपनी ल्यूपिन की जिन दवाओं को मंजूरी दी गई है, उनमें टैबलेट्स शामिल हैं। ये दवाईयां हेल्थकेयर कंपनी की दवाई टैबलेट्स का जेनेरिक संस्करण हैं। ये दवाईयां ल्यूपिन कंपनी के नागपुर स्थित प्लांट में बनाई जाएगी.

ओप्पो इंडिया ने नए एआई फीचर्स के साथ पेश की रेनो13 सीरीज़

नागपुर.

ओप्पो इंडिया की पॉपुलर रेनो13 5जी सीरीज़ का भारत में लॉन्च हो गया है। यह सीरीज़, स्मार्टफोन के अनुभव को परिभाषित करने के लिए बनाई गई है। इसमें इमेजिंग और प्रोडक्टिविटी के लिए एक फ्लैगशिप स्तर का कैमरा सिस्टम, मीडियाटेक डायमेंसिटी 8350 चिपसेट तथा कई अत्याधुनिक एआई फीचर्स दिए गए हैं। रेनो13 सीरीज़ अल्ट्रा-ड्यूरेबल डिज़ाईन के साथ उन लोगों के लिए बनाई गई है, जो असाधारण परफॉर्मेंस पसंद करते हैं। इस सीरीज़ में दो स्मार्टफोन, रेनो13 और रेनो13 प्रो शामिल हैं, जो दोनों वॉटर एवं डस्ट रज़िस्टैंस के लिए IP66, IP68 और IP69 सर्टिफिकेशन के साथ आते हैं। यह स्टाईल और ड्यूरेबिलिटी के लिए एक बेहतरीन डिवाईस है। इसके अलावा, रेनो13 सीरीज़ में 80 (वाट) की सुपरवूक्टम फास्ट चार्जिंग भी दी गई है, ताकि यह डिवाईस लंबे समय तक बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान कर सके। यह स्मार्टफोन मेनलाईन रिटेल आउटलेट्स, ओप्पो इ -स्टोर और फ्लिपकार्ट से खरीदा जा सकता है, और इसका मूल्य मात्र 37,999 रुपये से शुरू होता है।

घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव

नई दिल्ली. घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन हरे निशान पर खुला। हालांकि, थोड़ी देर बाद ही शेयर बाजार में गिरावट देखी जाने लगी और सेंसेक्स और निफ्टी ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी। निवेशकों के लिए राहत की बात यह रही कि जैसे-जैसे कारोबार आगे बढ़ा शेयर बाजार ने बढ़त फिर से हासिल कर ली।

इससे पहले शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 282.35 अंक चढ़कर 76,802.73 अंक पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 86.7 अंक चढ़कर 23,292.05 अंक पर पहुंचा। शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे बढ़कर 86.28 डॉलर पर पहुंचा। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बीच शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 282.35 अंक चढ़कर 76,802.73 अंक पर पहुंच गया।

क्रोमा रिपब्लिक डे 2025 ऑफर कल तक

मुंबई.

इस साल 26 जनवरी यानी कल तक चलने वाली इस सेल में टाटा न्यू पर इन-स्टोर और ऑनलाइन दोनों जगह पर आकर्षक, अविश्वसनीय डील दी जा रही है। क्रोमा की रिपब्लिक डे सेल में उपभोक्ताओं को मिलता है इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरणों की विशाल श्रेणी पर बेहद आकर्षक छूट के साथ अपनी जीवनशैली को उन्नत करने का सही अवसर। 23 जनवरी से, गर्मी को मात दें क्रोमा 1.5टी 3 स्टार एसी के साथ, कीमतें 25,690 से आगे, अपनी रसोई में लाएं नयी ताज़गी, क्रोमा 303 फ्रॉस्ट फ्री रेफ्रिजरेटर के साथ, कीमतें 24,590 से आगे। अब लॉन्ड्री करना होगा और भी आसान, क्योंकि क्रोमा 8केजी टॉप लोड वॉशिंग मशीन मिलने वाली 14,390 से शुरू होने वाली कीमतों में, या चुनें 21,690 से शुरू होने वाली कीमतों में क्रोमा 7केजी फ्रंट लोड वॉशिंग मशीन। होम एंटरटेनमेंट के शौकीनों के लिए क्रोमा दे रहा है 30,990* से शुरू होने वाली कीमतों में 55-इंच यूएचडी टीवी या सिर्फ़ 42,990 में प्रीमियम 65-इंच यूएचडी गूगल टीवी भी आप खरीद सकते हैं। टेक-सैवी खरीदारों के लिए इंटेल i3 लैपटॉप के साथ बेहतरीन डील 26,530 से शुरू होने वाली कीमतों में मिल रही हैं। लेटेस्ट गैजेट की तलाश कर रहे हैं तो आपके लिए सैमसंग गैलेक्सी फोल्ड 5 की शुरूआती कीमत सिर्फ़ 98,990 है, जबकि एप्पल 16 की कीमत 39,490 है। आपको ज़्यादा से ज़्यादा फायदेमंद खरीदारी की खुशियां देने के लिए चुनिंदा बैंक कार्डों पर 26,000 तक के इंस्टेंट कैशबैक दिए जा रहे हैं। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एमेक्स, बॉब कार्ड्स, फेडरल बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, साउथ इंडियन बैंक और एचएसबीसी के साथ विशेष ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, बजाज फ़िनसर्व, एचडीबी फ़ाइनेंशियल सर्विसेस, एचडीएफसी बैंक और आईडीएफसी फ़र्स्ट बैंक जैसे कंज़्यूमर फाइनेंस प्रोवाइडर्स के ज़रिए 26,000 तक के कैशबैक का लाभ भी उठा सकते हैं। क्रोमा - इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिबाशीष रॉय ने कहा, "क्रोमा की रिपब्लिक डे सेल ज़रिया है उपभोक्ताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करने का, हम हमारे उपभोक्ताओं को ऐसी बचत करने का मौका दे रहे हैं जिसे वे हमेशा के लिए याद रखेंगे। अग्रणी बैंकों और कंज़्यूमर फाइनेंस प्रोवाइडर्स के साथ विशेष ऑफ़र और साझेदारी के साथ, हम सभी के लिए उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक्स और उपकरणों को सुलभ बनाना चाहते हैं। चाहे आप इन-स्टोर या ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हों, हमारे विकल्पों की विशाल रेंज में सभी के लिए कुछ न कुछ ज़रूर है। देशभर में 550 से ज़्यादा स्टोर पर बेहतरीन ऑनलाइन शॉपिंग अनुभव के साथ, क्रोमा यह सुनिश्चित करता है कि भारत भर के उपभोक्ता इन बेहतरीन डील का आनंद ले सकें और इस रिपब्लिक डे सेल में शामिल होकर अपनी जीवनशैली को बेहतर बना सकें।

रियल एस्टेट सेक्टर को बजट से उम्मीद

नई दिल्ली. भारत इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहा है. एक तरफ डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट आई है, कंजप्शन में कमी का असर आर्थिक विकास पर भी पड़ा है. ऐसे में देश के रियल एस्टेट सेक्टर का कहना है कि इस क्षेत्र को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए. इससे देश की इकोनॉमिक ग्रोथ बढ़ेगी. 1 फरवरी 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करने वाली हैं. इसे लेकर रियर एस्टेट सेक्टर को भी कई उम्मीदें हैं. राष्ट्रीय अध्यक्ष जी हरि बाबू ने कहा, ''सरकार को रियल एस्टेट के विकास पर समान रूप से ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा, सरकार किफायती आवास की प्राइस लिमिट 45 लाख से बढ़ाकर 60 लाख रुपये तक करने के बारे में सोच सकती है. जी हरि बाबू ने यह भी कहा, ''एक दशक से कीमतें नहीं बढ़ी है, जबकि लागत बढ़ी है, महंगाई भी बढ़ी है. उन्होंने सरकार से आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80सी के तहत होम लोन ब्याज पर टैक्स छूट लिमिट को 2 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक करने की भी मांग की ताकि लोग प्रॉपर्टी पर अधिक निवेश करने के बारे में सोचें. उन्होंने 'हाउसिंग फॉर ऑल 2022' मिशन को प्रोत्साहन देने के लिए धारा फिर से लागू करने और प्रावधान को हटाने जैसे नीतिगत सुधारों की भी मांग की.'' जी हरि बाबू बजट 2025 को लेकर अपनी अपेक्षाओं पर आगे कहते हैं, ''खरीदारों को 6 लाख तक के लोन के लिए ब्याज पर छूट मिलना चाहिए और 25 लाख तक के लोन के लिए 5 परसेंट इंटरेस्ट जैसे उपाय लगाने जैसे उपाय करने चाहिए. रियल एस्टेट सेक्टर में इंवेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए पूंजीगत लाभ पर 10 करोड़ की कटौती सीमा को हटाने पर भी सरकार को विचार करना चाहिए.

पेटीएम के स्टॉक में आई 9 फीसदी की बड़ी गिरावट

नई दिल्ली. फिटनेक दिग्गज पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्यूनिकेशन का स्टॉक 24 जनवरी 2025 के कारोबारी सत्र में औंधे मुंह जा गिरा है. पेटीएम समेत सात दूसरी पेमेंट गेटवे कंपनियों के क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में शामिल होने के आरोपों के चलते प्रवर्तन निदेशालय के जांच के दायरे में आ गई हैं. इसी खबर के चलते पेटीएम के स्टॉक हफ्ते के आखिरी सेशन में धड़ाम गिरा है. पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्यूनिकेशंस उन आठ पेमेंट गेटवे कंपनियों के शामिल है जिनके खिलाफ ईडी जांच कर रही है. और इन कंपनियों के वर्चुअल अकाउंट्स में मौजूदा 500 करोड़ रुपये को प्रवर्तन निदेशालय ने पिछले दो वर्षों से फ्रीज किया हुआ है. प्रवर्तन निदेशालय ने ये कार्रवाई टोकन ऐप के ज़रिए 10 चीनी नागरिकों द्वारा रची गई क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में उनकी संभावित शामिल होने के चलते की गई है. चीन के रहने वाले इन आरोपियों ने क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग में निवेश को बढ़ावा देने के लिए 20 राज्यों के व्यक्तियों को झांसे में लेकर 2200 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम जुटाये थे. पेटीएम का स्टॉक जो शुक्रवार की सुबह 849.95 रुपये पर खुला था अचानक 9 फीसदी के करीब लुढ़ककर 773.05 रुपये पर आ गया. इस गिरावट के बाद निचले से स्टॉक में खरीदारी आने के बाद रिकवरी लौटी है. निचले लेवल से स्टॉक करीब 7 फीसदी रिकवरी कर गया है और अब 2.54 फीसदी की गिरावट के साथ 828 पर ट्रेड कर रहा है.

अच्छे सिबिल रैंक का ग्राहक उठाएं लाभ

नई दिल्ली.

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के उद्यम पंजीकरण पोर्टल (यूआरपी) के अनुसार, भारत में 63 मिलियन एमएसएमई हैं। जैसे-जैसे भारत 2030 तक 7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, ये एमएसएमई भी देश की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये एमएसएमई रोजगार प्रदान करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और निर्यात क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। आज के तेजी से बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में, एमएसएमई उद्यमी, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, अपने विस्तार और अन्य आवश्यकताओं के लिए पूंजी की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं।

ऐसे में उनके लिए अपनी क्रेडिट योग्यता को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिबिल एमएसएमई रैंक (सीएमआर) और कंपनी क्रेडिट रिपोर्ट (सीसीआर) जैसे वित्तीय वित्तीय साधन किसी व्यवसाय की ऋण स्थिति के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान करते हैं. जिससे एमएसएमई को अपने व्यावसायिक उद्देश्यों का समर्थन करने और विकास को गति देने के लिए ऋण विकल्पों तक पहुँचने में मदद मिलती है। सिबिल एमएसएमई रैंक, जो 1 (न्यूनतम जोखिम) से 10 (उच्चतम जोखिम) के बीच होती है, कंपनी की क्रेडिट योग्यता अर्थात साख का संकेत देती है। यह एमएसएमई के सीसीआर का एक अंक में सारांश प्रदान करता है, जिसमें व्यवसाय का क्रेडिट इतिहास और ऋण चुकौती व्यवहार शामिल होता है। कम रैंक मजबूत साख का संकेत देती है, जिससे एमएसएमई के लिए अनुकूल शर्तों, जैसे कम ब्याज दरों और लचीले पुनर्भुगतान विकल्पों पर ऋण सुरक्षित करना आसान हो सकता है। ऐसा करना एमएसएमई के विकास और उनकी परिचालन क्षमता को सपोर्ट करने के लिए आवश्यक है। ऋणों का समय पर पुनर्भुगतान- एक बेहतर सिबिल एमएसएमई रैंक बनाए रखने के लिए सभी ऋण दायित्वों का लगातार समय पर भुगतान करें।

विवेकपूर्ण तरीके से लें उधार- वित्तीय तनाव और ओवरलेवरेजिंग को रोकने के लिए व्यवसाय की पुनर्भुगतान क्षमता के अनुसार बुद्धिमानी से उधार लें। क्रेडिट रिपोर्ट की नियमित निगरानी- सीएमआर और सीसीआर की नियमित निगरानी से एमएसएमई और व्यवसायों को ऋण योग्य बने रहने में मदद मिल सकती है। निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि सीएमआर और सीसीआर को उनकी ऋण संबंधी योग्यता के बारे में मूल्यवान जानकारी देकर सशक्त बनाते हैं, जिससे उन्हें वित्तीय स्थिरता बनाने और निरंतर विकास को आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

कच्चे तेल के दामों में उछाल के आसार नहीं

नई दिल्ली.

रूस पर प्रतिबंध का असर नहीं पड़ेगा

भारत कच्चे तेल का लगभग 87 प्रतिशत आयात करता है और अगर देश को एक से अधिक स्रोत मिलें तो यह बेहतर होगा. इस आशंका पर कि अगर युद्ध नहीं रुका तो ट्रंप रूस पर और प्रतिबंध लगा सकते हैं, उन्होंने कहा कि इसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं होगा. साहनी ने कहा, यूक्रेन युद्ध शुरू होने से पहले भारत को रूस से दो प्रतिशत से भी कम तेल मिलता थाय युद्ध शुरू होने के बाद और रूस को यूरोप आदि को तेल बेचने की अनुमति नहीं मिलने के बाद, हमें रूस से अधिक तेल मिलना शुरू हो गया.

रूस के खिलाफ किसी भी और प्रतिबंध का भारत की कच्चे तेल की जरूरतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वैश्विक कीमतें 75-80 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में स्थिर रहेंगी. ये कहना है सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी का. उन्होंने कहा कि इसकी वजह ये है कि हमें पहले से ही प्रतिबंध लगने की आशंका थी.

डावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की सालाना बैठक के दौरान पीटीआई-भाषा से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऐसे कई ऊर्जा स्रोत हैं जिनका उपयोग किसी भी आपात स्थिति में भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है. दावोस में भारत की भागीदारी के बारे में पूछे जाने पर साहनी ने कहा कि यहां भारत की बड़ी उपस्थिति देखकर बहुत अच्छा लग रहा है. उन्होंने कहा, "इससे बहुत मदद मिलती है क्योंकि हम यहां एक ही स्थान पर कई वैश्विक कंपनियों से मिल सकते हैं. हम उन सभी के साथ विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं, और यह कंपनी और अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है. डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का दूसरी बार राष्ट्रपति बनने और भारत पर इसके प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि यह ऊर्जा क्षेत्र के लिए सकारात्मक होना चाहिए, क्योंकि 'उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि हमें अधिक ऊर्जा का उत्पादन करना होगा और हम अधिक ऊर्जा स्रोतों के खिलाफ नहीं हैं। अधिक से अधिक ऊर्जा स्रोत होना हमेशा बेहतर होता है'.

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

पुणे में गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के कुल 67 मामले

पुणे.

महाराष्ट्र के पुणे में गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के 8 संदिग्ध केस दर्ज किए गए हैं, जिससे जिले में इन मामलों का कुल आंकड़ा 67 तक पहुंच गया है. बीते मंगलवार को इस इंफेक्शन के 24 मामले सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित प्रतिक्रिया टीम (RRT) का गठन किया था, ताकि इसके पीछे की वजह का पता किया जा सके.

जीबीएस एक दुर्लभ कंडीशन है, जिसमें अचानक मांसपेशियों के कमजोर पड़ने और सुन्न हो जाने की शिकायत होती है. इसमें शरीर में गंभीर कमजोरी, दस्त आना आदि भी शामिल हैं. बैक्टीरिया और वायरल इंफेक्शन की वजह से जीबीएस

हो सकता है, क्योंकि ये बॉडी की इम्युनिटी को कमजोर कर देते हैं.

महामारी का कारण नहीं बनेगा जीबीएस बच्चे और बड़े दोनों ही इस कंडीशन की चपेट में आ सकते हैं, लेकिन यह किसी महामारी का कारण नहीं बन सकता. डॉक्टर्स ने इस बात की पुष्टि की है कि ज्यादातर मरीज इलाज के बाद स्वस्थ हो जाते हैं.

पुणे में मिले कुल 67 मामलों में 43 पुरुष और 24 महिलाएं हैं. इनमें से 13 मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया है. इस बीच, आरआरटी और पीएमसी स्वास्थ्य विभाग सिंहगढ़ रोड इलाके के प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी कर रहा है. आरआरटी में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) के वैज्ञानिक डॉ. बाबासाहेब टंडाले, स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक डॉ. प्रेमचंद कांबले, डॉ. राजेश कार्यकार्टे शामिल हैं. बीजे मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के एचओडी, राज्य महामारी विशेषज्ञ डॉ. भालचंद्र प्रधान सहित अन्य भी इसमें शामिल रहे.

लोगों में जागरूकता फैलाने का काम जारी

पुणे में जीबीएस के मामले पर सहायक स्वास्थ्य अधिकारी वैशाली जाधव ने जानकारी दी है कि 23 जनवरी तक जिले में 67 ऐसे मामले सामने आए हैं. चार टीमें लगाई गई हैं, जो इलाकों का सर्वे कर रही हैं और लोगों में जागरूकता फैलाने का काम कर रही हैं. ये टीमें उन इलाकों में काम कर रही हैं, जहां से सबसे ज्यादा जीबीएस के केस सामने आए हैं.

चार नाबालिग लड़कों को मार डाला

नांदेड़. नांदेड़ शहर के आनंदनगर इलाके में बुधवार शाम साईनाथ कालेकर नाम के 17 वर्षीय छात्र की हत्या कर दी गई. आरोपियों ने धारदार हथियार से वार कर उसकी हत्या कर दी. विष्णुपुरी अस्पताल ले जाने से पहले ही उसकी मौत हो गयी. सभी पांचों आरोपियों को एएसपी पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपियों में से चार नाबालिग हैं और वे कॉलेज के छात्र भी हैं. पूछताछ के दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि पुराने विवाद के चलते उन्होंने छात्र साईनाथ कालेकर की हत्या कर दी. इस बीच, गिरफ्तार आरोपियों में से एक, जो मुख्य आरोपी है, उसने हत्या के बाद अपने इंस्टाग्राम पर सह-आरोपियों के साथ एक तस्वीर पोस्ट की थी. इस पर 302... जैसा स्टेटस भी डाला गया था. इसके अलावा इस आरोपी के इंस्टाग्राम अकाउंट की आईडी में पहले से ही उसके नाम के साथ 302 का जिक्र है. फरार होने के दौरान भी उसने बदमाश का गाना अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किया था.फिलहाल आरोपी गिरफ्त में है और पुलिस आगे की जांच कर रही है.

महादेव मुंडे की हत्या की जांच हो: विधायक सुरेश धस

> महादेव मुंडे हत्याकांड में वाल्मीक कराड के बेटे सुशील कराड

बीड.

बीजेपी विधायक सुरेश धस ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि महादेव मुंडे हत्याकांड में वाल्मीक कराड के बेटे सुशील कराड और श्री कराड ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को 150 बार फोन किए. महादेव मुंडे की हत्या के संबंध में बयान देने के लिए सुरेश धास ने बीड पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की थी. इस बैठक के दौरान, धस ने कहा कि बीड के पुलिस अधीक्षक महादेव मुंडे की हत्या की जांच स्थानीय अपराध शाखा को सौंपने पर सहमत हुए. महादेव मुंडे की हत्या 22 अक्टूबर, 2023 को की गई थी। घटना के डेढ़ साल बाद भी परिवार को न्याय नहीं मिल सका है. पुलिस जांच नहीं कर रही, आरोपी फरार हैं। इस सबके बीच धस ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की. वाल्मीक के बेटों ने जांच अधिकारियों को 150 कॉल कीं. महादेव मुंडे हत्याकांड में वाल्मीक कराड के बेटे सुशील कराड और श्री कराड ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को 150 बार कॉल कीं. उनके फोन कॉल का सत्यापन किया गया है. हत्याकांड की जांच कर रहे पुलिसकर्मी विवादित हैं. परली में एक कर्मचारी पंद्रह साल से काम कर रहा है. इस संबंध में मैं जल्द ही पुलिस महानिदेशक रश्मी शुक्ला से मुलाकात करूंगा और उन्हें परली पैटर्न समझाऊंगा, सुरेश धस ने कहा। इसलिए मैंने इस मामले को अपराध शाखा को सौंपने का अनुरोध किया है। मुंडे के परिवार ने भी यही मांग की है. मेरे पास जो जानकारी आई है, उसके आधार पर इसमें पुलिस कर्मियों के नाम आ रहे हैं। विष्णु फड, भास्कर केंद्रे की कॉल डिटेल देखें। ताकि हत्यारे सामने आएं, जैसे मुन्ना बदनाम हुई है, वैसे ही बीड पुलिस भी बदनाम हो गई है. पीआई बल्लाल और सुरेश धस के वायरल ऑडियो कॉल पर एक सवाल के जवाब में धस ने कहा, ''जैसे मुन्नी बदनाम हो गई है. बदनाम बीड पुलिस भी बदनाम हो गई है. जैसे ही वाल्मीक कराड अपनी गिरफ्तारी के बावजूद कार में बैठता है, वह पूछता है कि रोहित कहां है और बीड पुलिस उसे बुलाते हैं... ओह, बापरे बीड के पुलिस बल में क्या चल रहा है...?

जलगांव ट्रेन हादसे में यात्रियों की गलती-ठाकरे

मुंबई.

रेलवे की तकनीकी एवं मानवीय त्रुटियों के कारण पिछले दो-चार वर्षों में अनेक रेल दुर्घटनाएँ हुई हैं और अनेकों लोगों की जान गई है; हालाँकि यह सच है, लेकिन ऐसा लगता है कि जलगाँव ट्रेन दुर्घटना में यात्रियों की गलती है। इस बारे में क्या कहा जा सकता है कि जब ट्रेन में आग न लगी हो तो यात्री केवल सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करके चलती ट्रेन से कूद जाएं? सावधानी के साथ वास्तविक दुर्घटना में कूदना अलग बात है, लेकिन झूठी जानकारी पर विश्वास करके अपनी मौत को जोखिम में डालना अलग बात है। इसे दुर्भाग्य ही कहना चाहिए। जलगांव रेल हादसे में मरने वाले यात्री अफवाहों का शिकार हैं, लेकिन 13 लोगों की मौत के

जिम्मेदार इन अफवाह फैलाने वालों का पता कैसे लगाया जाए? ये सवाल पूछा है उद्धव ठाकरे ने.

हादसे का जिम्मेदार कौन?

हादसे के कुछ देर बाद पुष्पक एक्सप्रेस अपनी अगली यात्रा के लिए रवाना हो गई, यानी ट्रेन में कोई आग या कोई खराबी नहीं थी. हालांकि, सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह भीषण रेल हादसा कैसे हुआ और इस हादसे का जिम्मेदार कौन है. हालांकि इस हादसे के लिए रेलवे प्रशासन को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता. रेलवे की तकनीकी एवं मानवीय त्रुटियों के कारण पिछले दो-चार वर्षों में अनेक रेल दुर्घटनाएँ हुई हैं और अनेकों लोगों की जान गई है; हालाँकि यह सच है, लेकिन ऐसा लगता है कि जलगाँव ट्रेन दुर्घटना में यात्रियों की गलती है। इस बारे में क्या कहा जा सकता है कि जब ट्रेन में आग न लगी हो तो यात्री केवल सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करके चलती ट्रेन से कूद जाएं? वास्तविक दुर्घटना में कूदना अलग बात है, लेकिन झूठी जानकारी पर भरोसा करके खुद को मौत के घाट उतार देना दुर्भाग्य की बात है। जलगांव रेल हादसे में मरने वाले यात्री अफवाहों का शिकार हैं, लेकिन 13 लोगों की मौत के जिम्मेदार इन अफवाह फैलाने वालों का पता कैसे लगाया जाए?

श्वेत पत्र जारी करना चाहिए : नाना पटोले

मुंबई. मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने दावा किया है कि दावोस में 61 कंपनियों के साथ हुए समझौते से 15.70 लाख करोड़ का निवेश और 15.95 लाख नौकरियां पैदा होंगी. राज्य में बड़े निवेश का स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन लोगों को यह जानने का अधिकार है कि सौदा क्या है और तथ्य क्या हैं। पहले भी हो चुके हैं ऐसे बड़े समझौते महाराष्ट्र में अब तक एकनाथ शिंदे और देवेन्द्र फड़णवीस की सरकार दावोस गई थी।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने चुनौती दी है कि लाए गए निवेश और उससे पैदा हुए रोजगार पर एक श्वेत पत्र तैयार किया जाना चाहिए।

कोंकण में ठाकरे गुट को झटका

सिंधुदुर्ग. कोंकण में शिवसेना के ठाकरे गुट तथा महाविकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा है. उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना विधायक नीलेश राणे ने शुक्रवार को कुडाल नगर पंचायत उपचुनाव में महाविकास अघाड़ी के 1 नगरसेवक को भोडकर भाजपा की प्राजक्ता बांदेकर को नगराध्यक्ष चुना है। इस चुनाव में माविआ के उम्मीदवार 1 वोट से हारा।

कुडाल नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए बीजेपी की प्राजक्ता बांदेकर मैदान में थीं, जबकि महाविकास अघाड़ी से सई काळप

मैदान में थे. महाविकास अघाड़ी के पास 9 और महायुति के पास 8 वोट थे. इसलिए यह लगभग साफ था कि वह महाविकास अघाड़ी का अध्यक्ष होंगे. लेकिन असल चुनाव में विधायक नीलेश राणे महाविकास अघाड़ी के 1 नगरसेवक को फोड़ने में सफल रहे. इसलिए बीजेपी की प्राजक्ता बांदेकर को 9 वोट मिले और वह नगराध्यक्ष बन गईं. सई काळप अपने ही पार्षद की गद्दारी के कारण एक वोट से हार गईं।

सिंधुदुर्ग जिले में जल्द ही जिला परिषद और नगर पालिका चुनाव होंगे। दावा किया जा रहा है कि इस चुनाव में कुडाल की जीत से महागठबंधन को बड़ा फायदा होगा. विधायक नीलेश राणे ने विश्वास व्यक्त किया कि हम आगामी सभी चुनावों में महायुति के माध्यम से विजयश्री लाएंगे। पिछले ढाई साल से कुडाल शहर का विकास रुका हुआ था. इसी के चलते यहां महाविकास अघाड़ी के एक पार्षद टूट गए। उन्होंने कहा कि कुडाल का वास्तविक विकास अब होगा.

बीड की बेटी बनी भारतीय सेना की लीडर

बीड. गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में के मुख्य समारोह में विभिन्न विभागों की इकाइयां मार्च करती हैं. इस साल बीड की बेटी फ्लाइट लेफ्टिनेंट दामिनी देशमुख 'परेड कमांडर' के तौर पर भारतीय वायुसेना दल का नेतृत्व करेंगी. बीड जिला पिछले कुछ दिनों से अलग-अलग चीजों को लेकर सुर्खियों में है. उस पृष्ठभूमि में बीड के साथ, यह कुछ ऐसा है जिस पर महाराष्ट्र खुशी और गर्व महसूस करता है। देश में गणतंत्र दिवस का मुख्य उत्सव हर साल राजधानी में आयोजित किया जाता है। कार्यक्रम में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत खास मेहमान शामिल होते हैं। इस शानदार समारोह पर देश-दुनिया की नजर है. कर्तव्य परायण भारत की शक्ति और महान संस्कृति का दर्शन पथसंचलन के माध्यम से है। इसमें भारतीय वायु सेना की एक टुकड़ी भी रहती है। इस वर्ष 144 सदस्यीय वायु सेना दल का नेतृत्व 4 अधिकारी 'परेड कमांडर' के रूप में करेंगे, जिनमें से एक फ्लाइट लेफ्टिनेंट दामिनी देशमुख हैं। भारतीय वायु सेना में फ्लाइट लेफ्टिनेंट के पद पर कार्यरत दामिनी देशमुख बीड जिले के वडवानी तालुका के देवडी गांव की रहने वाली हैं। दामिनी देशमुख के पिता, सेवानिवृत्त न्यायाधीश दिलीप देशमुख, पुणे डिवीजन के पूर्व जायंट चैरिटी कमिशनर हैं.

महाराष्ट्र के लातूर में बर्ड फ्लू का खतरा

लातूरः

महाराष्ट्र के लातूर जिले में बर्ड फ्लू के खतरे के बीच कुक्कुट पालन केंद्र (पोल्ट्री फार्म) में करीब 4,200 चूजे मरे पाए गए। जानकारी के अनुसार, लातूर जिले के अहमदपुर तहसील के ढालेगांव में एक पोल्ट्री फार्म में करीब चार हजार दो सौ बॉयलर चूजों की अचानक मौत हो गई है। इन चूजों के नमूने जांच के लिए पुणे की एक प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

पोल्ट्री फार्म में 4200 मुर्गी के बच्चे मर पाए गए

अधिकारियों ने बताया कि चूजों की मौत दो तीन दिन में हुई और 'पोल्ट्री फार्म' के मालिक ने अधिकारियों को इस संबंध में सूचना तुरंत नहीं दी, जिसके कारण संक्रमण फैल गया और 4,500 चूजों में से 4,200 की मौत हो गई। अहमदपुर पशु चिकित्सालय के उपायुक्त डॉ.शिवाजी क्षीरसागर ने पोल्ट्री फार्मों के मालिकों से अपील की है कि वे अपने केंद्र का पंजीकरण कराएं और ऐसी घटनाओं की जानकारी स्थानीय अधिकारियों को दें।

उदगीर में बर्ड फ्लू से हुई थी कौवों की मौत

इससे पहले पहले उदगीर में बर्ड फ्लू के कारण 50 से 100 कौवों की मौत हो गई थी। अब अहमदपुर तहसील के ढालेगांव में मुर्गी के बच्चों की मौत ने स्थानीय लोगों और पशुपालकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। घटना का संज्ञान लेते हुए पशु चिकित्साधिकारी मौके पर पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चूजों की मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि नमूने पुणे की एक प्रयोगशाला में भेजे गए हैं और उनके नतीजे आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। ढालेगांव की यह घटना बर्ड फ्लू संकट की पुनरावृत्ति हो सकती है, जो पशुधन और पोल्ट्री व्यवसाय को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इस वजह से पशुपालकों और स्थानीय प्रशासन को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है।

जांच रिपोर्ट आने का इंतजार

बर्ड फ्लू फैलने की चिंताओं के कारण प्रशासन ने गहन जांच शुरू कर दी है और आने वाले दिनों में और जानकारी सामने आएगी। स्थिति को ठीक से संभालने के लिए प्रशासन और पशु चिकित्सा अधिकारियों को सतर्क कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस महीने की शुरुआत में जिले के उदगीर शहर में करीब 60 कौवे मृत पाए गए थे। पुणे स्थित क्षेत्रीय रोग निदान प्रयोगशाला और आईसीएआर - राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, भोपाल द्वारा किए गए परीक्षणों से पुष्टि हुई है कि इन मौतों का कारण बर्ड फ्लू था।

कानों में ईयरफोन; सोलह वर्षीय छात्रा वैष्णवी ट्रेन की चपेट में

पालघर.

कानों में ईयरफोन लगाकर रेलवे ट्रैक पार करना एक सोलह वर्षीय छात्रा की जान पर भारी पड़ गया। सफाले रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई है। मृत छात्रा का नाम वैष्णवी मयूर रावल है और इस घटना से हर तरफ शोक का माहौल है। आज के मोबाइल युग में स्कूल, कॉलेज के छात्र, युवा सभी के पास मोबाइल फोन है। ज्यादातर लोग कानों में ईयरफोन और हेडफोन लगाकर सफर कर रहे हैं और मोबाई से तेज आवाज में गाने सुन रहे हैं। ईयरफोन लगाने से आसपास की आवाज सुनाई नहीं देती और आसपास क्या हो रहा है इसका भी पता नहीं चलता। इसके कारण कई लोगों

को रेलवे ट्रैक या सड़क पार करते समय दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गंवानी पड़ती है। ऐसी ही एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सफाले रेलवे स्टेशन इलाके में घटी है।

कानों में ईयरफोन लगाकर रेलवे ट्रैक पार करते वक्त यह हादसा हुआ। पालघर तालुका के माकने की रहने वाली 10वीं कक्षा की 16 वर्षीय छात्रा वैष्णवी मयूर रावल अपनी कक्षा खत्म करने के बाद घर जा रही थी। मकने पहुंचने के लिए सफाले रेलवे स्टेशन क्षेत्र से पूर्व से पश्चिम की ओर जाना पड़ता है। पश्चिम रेलवे के सफाले पूर्व से पश्चिम रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पार करते समय वैष्णवी ने अपने कानों में ईयरफोन लगा रखा था। रेलवे ट्रैक पार करते समय वह तेज इफ्तार राजधानी ट्रेन की चपेट में आ गई। तेज रफ्तार ट्रेन की टक्कर से वैष्णवी गंभीर रूप से घायल हो गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तुमारास में गुरुवार दोपहर को घटी। घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना स्थल का पंचनामा किया गया है और इस मामले में आकस्मिक मृत्यु दर्ज की गई है। जब सोलह साल की बेटी वैष्णवी की मौत की खबर सामने आई तो उसकी मां ने सचमुच ताहो तोड़ दिया. ट्रेन की टक्कर से वैष्णवी की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. इस घटना से इलाके में भी मातम फैल गया है. सफाले पूर्व क्षेत्र से पश्चिम क्षेत्र तक रेलवे ट्रैक पार कर पश्चिम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए रेलवे फाटक के पास कोई पैदल यात्री पुल नहीं है। इसलिए नागरिक, विद्यार्थी रेलवे ट्रैक पार करने का रास्ता अपनाते हैं। जैसे ही क्षेत्र के नागरिकों को ट्रेन की टक्कर से एक छात्रा की मौत की जानकारी मिली तो माकड़े क्षेत्र के नागरिक भी मौके पर पहुंच गए और नागरिक भी प्रशासन के खिलाफ आक्रामक हो गए. क्या इस घटना के बाद भी प्रशासन जागेगा? यह सवाल स्थानीय लोगों ने उठाया है। यथाशीघ्र सफाले क्षेत्र से आने-जाने के लिए रेलवे फाटक क्षेत्र पर पैदल यात्री पुल स्थानीय लोगों ने इसे बनवाने की मांग की है.

आज का राशिफल

मेष-आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण लाभ लेकर आने वाला है। कारोबार में आपको अत्यधिक मेहनत की आवश्यकता होगी।

वृषभ -आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहेगा। किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में आपको सम्मिलित होने का मौका मिलेगा।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप मौज-मस्ती के मूड में रहेंगे।

कर्क -आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। आप संतान को किसी नई नौकरी के काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए सेहत के मामले में उतार-चढ़ाव लेकर आने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर व्यस्तता अधिक रहेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको कोई फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए इनकम के सोर्सो को बढ़ाने वाला रहेगा। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छी सफलता मिलती दिख रही है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको पारिवारिक मामलों को घर में ही सुलझाने की आवश्यकता है।

धनु -आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए खर्चो भरा रहने वाला है। आपके खर्च बढ़ने से आपको समस्या नहीं आएगी।

कुंभ -आज का दिन आपके लिए परस्पर सहयोग की भावना लेकर आने वाला है। आपको अपने कामों के प्रति सावधान रहना होगा।

मीन-आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे,

वरना 20 में से केवल दो विधायक बचेंगे: शिंदे

ठाणे. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और सत्तारूढ़ शिवसेना के प्रमुख एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को उद्धव ठाकरे की शिवसेना को चेतावनी दी कि अगर उसने उनकी पार्टी और महायुति की आलोचना बंद नहीं की तो उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी के पास मौजूदा 20 में से केवल दो विधायक ही बचेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में शिवसेना (UBT) को करारा जवाब दिया और अब समय आ गया है कि वह आत्ममंथन करे।

इससे पहले शिंदे ने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की जयंती पर उन्हें और अपने गुरु आनंद दिघे आनंद आश्रम में श्रद्धांजलि दी। 'आनंद आश्रम' के दौरे से इतर पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने यह भी कहा कि अन्य राज्यों में भी शिवसेना की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ''पहले दिन से ही विपक्षी महा विकास आघाडी (MVA), खासकर शिवसेना (UBT) मेरी और महायुति की आलोचना कर रहे है, लेकिन कुछ भी काम नहीं आया और राज्य के नागरिकों ने

उन्हें करारा जवाब दिया तथा उन्हें उनकी जगह दिखा दी।

डिप्टी सीएम ने कहा कि हाल के दिनों में विपक्षी दलों विशेषकर शिवसेना (यूबीटी) के कई कार्यकर्ता और नेता हमारी शिवसेना में शामिल हुए हैं और यह सिलसिला जारी रहेगा। अन्य राज्यों से भी कुछ कार्यकर्ता और नेता शिवसेना में शामिल हुए हैं। कुछ अन्य राज्यों में भी शिवसेना की मांग बढ़ रही है। शिवसेना बढ़ रही है। आने वाले दिनों में हम अन्य राज्यों में भी शाखाएं खोलेंगे।

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१

ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५

क्र.प्रस्तु-३/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १८६/ कावि-६१/२०२५

दिनांक २१/०१/२०२५

वाचा : **१)** जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/, दि. १५/१०/२०२४, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/ २०२४, **६)** **अर्जदार श्री धनु धना कोसरे,** वय ३७ वर्षे, धंदा लेबर वर्क, राह. प्लॉट नं. ३२६, मीनी माता नगर, कळमना रोड, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक २३/१२/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **श्री धनु धना कोसरे,** राह. प्लॉट नं. ३२६, मीनी माता नगर, कळमना रोड, नागपूर यांनी **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांनी स्वतःचा जन्म दिनांक ११/०५/१९८७ रोजी मीनी मातानगर, कळमना रोड, नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्मा** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर शहर यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का

(श्रीमती अपेक्षा रैच)
कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)

Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्यमान सुनिल साळवे
नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, जिल्हा नागपूर.

Email : www.tahsildarngpcity@gmail.com Phone No. 0712-2561975

क.ली/प्रस्तु- २/तह.नाग.(शहर)/प्र.क्र. ३२९/कावि- ३७/२०२४

दिनांक ०८/०१/२०२५

वाचा : **१)** जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे कडील आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/२०२३, दि. १५/१०/२०२३, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/२०२४, **६)** **शाहीस्ता परविन खलील अहमद अंसारी,** रा. हबीब नगर टेका, नागपूर यांचा अर्ज दिनांक ०४/१२/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **शाहीस्ता परविन खलील अहमद अंसारी,** रा. हबीब नगर टेका, नागपूर यांनी यांच्या पतीच्या **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू **खलील अहमद अंसारी वल्द रहमतुल्ला अंसारी,** यांचा **जन्म** दिनांक १५/०६/१९६७ रोजी राहत्या घरी झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २, ३, ४, व ५ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्म** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का

(सुनिल साळवे)
नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर.

Prasanna Publicity 09326927622

कोर्ट विद्य. श्रीमती अपेक्षा रैच, नायब तहसिलदार तथा कार्यकारी दंडाधिकारी नागपूर (श.) यांचे कोर्ट, तहसिलदार, नागपूर शहर यांचे कार्यालय, सिव्हील लाईन, नागपूर पिनकोड- ४४०००१

ई-मेल आयडी: www.tahsildarngpcity@gmail.com दुरध्वनी क्र. ०७१२-२५६११७५

क्र.प्रस्तु-३/नाय.तह./तह.नाग.(श.)/प्र.क्र. १९२/ कावि- /२०२५

दिनांक १४/०१/२०२५

वाचा : **१)** जन्म मृत्यू नोंदणी अधिनियम- १९६९ चे कलम १३, **२)** जन्म मृत्यु नोंदणी (सुधारणा) कायदा २०२३ चा २०, **३)** भारत सरकार विधी व न्याय विभाग यांचेकडील दिनांक ११/०८/२०२३ रोजीचे राजपत्र, **४)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्रमांक अका/डी-१/जन्म-मृत्यु आदेश/कावि ५३५/, दि. १५/१०/२०२४, **५)** मा. जिल्हा दंडाधिकारी नागपूर यांचे आदेश क्र. अका/डी-१/ जन्म-मृत्यु आदेश/कावि- १५८/२०२४ दि. ११/०५/ २०२४, **६)** **अर्जदार सौ. सोनु ज्ञानेश्वर कोसरे,** धंदा- गृहीणी, राह. वार्ड नं. ५, चाटे बोरी, बुट्टीबोरी, जिल्हा नागपूर यांचा अर्ज दिनांक ३०/१२/२०२४.

जाहीरनामा

ज्याअर्थी अर्जदार **सौ. सोनु ज्ञानेश्वर कोसरे,** धंदा- गृहीणी, राह. वार्ड नं. ५, चाटे बोरी, बुट्टीबोरी, जिल्हा नागपूर यांनी **जन्माची** नोंद **महानगर पालिका** दप्तरी घेणेकरीता निर्देशीत करणेकामी अर्ज दाखल केला आहे.

सदर्हू अर्जदार यांनी मुलगी **श्रावणी ज्ञानेश्वर कोसरे** हिचा जन्म दिनांक २०/०२/२०१८ रोजी शासकिय वैद्यकिय महाविद्यालय व रूग्णालय नागपूर येथे झाला असा अर्जदाराचा दावा आहे. त्याचप्रमाणे सदर्हू अर्जदार यांना त्यांचे **जन्म** प्रमाणपत्र शासकीय तथा खाजगी कामाकरीता आवश्यक असल्याने त्यांची नोंद घेणे कामी आदेश होणे आवश्यक असल्याबाबत त्यांनी अर्जात नमूद केले आहे.

त्याअर्थी मी कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर (शहर) उपरोक्त वाचा क्रं. १ आणि २ नुसार व ३ मध्ये नमूद केल्याप्रमाणे मला प्राप्त अधिकारान्वये असे कळविण्यात येते कि, सदर व्यक्तीचा **जन्मा** बाबत नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेकरीता व गृहचौकशी करणेकामी कार्यवाही प्रस्तावित आहे. याबाबत कोणास काही सांगावयाचे किंवा काही आक्षेप असल्यास त्यांनी योग्य ते पुरावे किंवा साक्षीदारांसह कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपुर शहर यांचे न्यायालयात स्वत: जातीने/ वकीलामार्फत अथवा अन्य मार्गाने या जाहीरनाम्याच्या दिनांकापासून **पंधरा दिवसाच्या आत** सादर करावे. उक्त मुदतीत कुठलाही आक्षेप/उजर/ विपरित पुरावा प्राप्त न झाल्यास **जन्म** बाबतची नोंद घेणेकामीचा आदेश देणेबाबत कोणालाही काही सांगावयाचे नाही गृहित धरून प्रस्तावित **जन्म** नोंदीबाबतचा आदेश निर्गमित करण्यात येईल.

शिक्का

(श्रीमती अपेक्षा रैच)
कार्यकारी दंडाधिकारी, नागपूर (शहर)

Prasanna Publicity 09326927622

कार्यालय नगर परिषद सावनेर जिल्हा नागपुर

क्रमांक-नपसा/पा.पु.वि./नि.सू./278/२०२५ दिनांक: २४/०१/२०२५

निविदा सूचना (दुसरी वेळ)

मा. मुख्याधिकारी, नगर परिषद सावनेर, जिल्हा नागपूर यांचे वतीने खालील कामाच्या बी-१ दोन लिफाफा पद्धतीने पाणी व आरोग्य विभागा करिता खालील कामासंबंधितकंत्राटदारांकडून/पुरवठा धारकांकडून निविदा दर मागविण्यात येत आहे. सदर कामाच्या निविदा दि २५/०१/२०२५ ला सकाळी ११.०० वाजता पासून ते दि. ३०/०१/२०२५ ला दुपारी ०४.०० वाजेपर्यंत त्यांचा कालावधीत कामाचे सीलबंद लिफाफ्यात या कार्यालयात सादर करावयाचा आहेत. कामाचा तपशील खालील प्रमाणे आहे. सदर कामाचे निविदा पत्रक दि २५/०१/२०२५ पासून ते दि.३०/०१/२०२५ पर्यंत सबंधित कार्यालयातून प्राप्त करता येईल. कामाचा तपशील खालीलप्रमाणे आहे.

अ. क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय किमत	निविदा प्रपत्र	अनामत रक्कम	काम पूर्ण करण्याचा कालावधी
१.	न.प. पाणी पुरवठा योजनेचे खापा पंपहाउस येथील जॅकवेल मधील रेतीचा गाळ उपसा करण्याबाबत.	१९९१२९/-	५००/-	२०००/-	कार्यादेश मिळाल्यापासून १ महिन्यापर्यंत

अटी व शर्ती :-

१) शक्य झाल्यास प्राप्त निविदा त्याच दिवशी सायंकाळी ५ वाजता निविदाधारकांना समक्ष उघडण्यात येईल.
२) कोणती एक अथवा सर्व निविदा रद्द करण्याचे अधिकार मा. मुख्याधिकारी यांना राहतील.
३) निविदा संबंधित इत्तर सर्व अटी व शर्ती कार्यालयीन वेळेस पहावयास मिळेल.

स्वा./-
(किरण बगडे)
मुख्याधिकारी
नगर परिषद सावनेर

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

संख्याः नाग / सी. 183.सी/ओ / ए / बीपीक्यू / जीएमयू / 24, दिनांक 24/01/2025. नागपुर मंडल के बल्लारशाह स्टेशन पर खानपान सेवा हेतु खानपान स्टॉल आवंटित करने हेतु ई-निविदाएँ। भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मध्य रेल्वे नागपुर द्वारा नागपुर मंडल के "ए" कोटी के निम्न स्टेशन पर (जीएमयू) खानपान सेवा प्रदान करने के लिए योग्य निविदा कर्ताओं से दो पैकेट निविदा पद्धति के अंतर्गत 5 वर्ष की अवधी के लिए ऑनलाइन ई-निविदाएँ रेल्वे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर आमंत्रित की जा रही है, विस्तृत विवरण निम्नानुसार है।

अ.नु	स्टेशन	स्टे। कोटी	स्टॉल का प्रकार	निर्देशित जगह	आरक्षण
1	बल्लारशाह	ए	खानपान स्टॉल	प्लैटफ़ार्म क्र. 1 पर प्लेटफार्म के मध्य में उचित जगह पर।	सामान्य
2	बल्लारशाह	ए	खानपान स्टॉल	प्लैटफ़ार्म क्र. 01 काझीपेठ छोर पर प्लेटफार्म के उचित जगह पर।	सामान्य

सभी निविदाओं की जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, सभी निविदाएँ इस साइट पर ऑनलाइन ही भरी जानी है | व्यक्तिगत रूप से निविदाएँ प्रस्तुत करने पर उसे अस्वीकृत किया जाएगा। ऑनलाइन निविदा के लिए लॉगिन करने एवं प्रस्तुत करने के लिए DSC Class-III (क्लास III डिजिटल हस्ताक्षर) निविदाकर्ता के पास होना अनिवार्य है।

ऑनलाइन निविदा दस्तावेजों की अंतिम तिथि	14/02/2025 को 15.00 बजे तक
निविदा दस्तावेजो को प्रस्तुत करने की तिथि और समय	14/02/2025 को 15.00 बजे तक
ई-निविदा खोलने की तिथि और समय	14/02/2025 को 15.30 बजे

सभी निविदाएँ या कोई एक निविदा को किसी भी प्रकार का कारण दर्शाए बगैर निरस्त करने का अधिकार रेल्वे प्रशासन के पास पुर्णतः सुरक्षित है।

वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक
मध्य रेल, नागपुर

DE/435

रेल्वे फाटक के बंध स्थिति में पार करना मना है

सुविचार

जिंदगी जिन्हे ख़ुशी नहीं देती उन्हें तजुर्बे बहुत देती है.

संपादकीय

जीवन की गरिमा

असम में विदेशी नागरिकों को लंबे समय से डिटेंशन सेंटर में रखे जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी कई लिहाज से अहम है। इस मामले में राज्य सरकार का जो रुख सामने आया है, उससे ऐसा लगता है कि वह इन विदेशी नागरिकों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों को लेकर पर्याप्त गंभीर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के पास आए इसी मामले की बात करें तो 270 लोगों को असम के डिटेंशन सेंटर्स और ट्रांजिट कैंपों में लंबे समय से रखा जा रहा है। अदालत के सामने आए तथ्यों के मुताबिक, इनमें से कुछ लोगों को तो वहां रहते हुए 10 साल हो चुके हैं। स्वाभाविक ही सवाल उठता है कि आखिर इन्हें वहां क्यों रखा गया है और इन्हें इनके देश वापस भेजने की प्रक्रिया कहां तक पहुंची है। उसमें इतनी देर क्यों हो रही है?

हैरत की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट को जवाब देने में भी राज्य सरकार के अधिकारियों ने गंभीरता नहीं दिखाई। सरकार का यही कहना था कि ये सब विदेशी हैं और इन्हें फॉरेनर्स ट्राइब्यूनल्स की ओर से विदेशी घोषित कर दिए जाने के बाद ही डिटेंशन सेंटर में भेजा गया है। लेकिन सरकारी हलफनामे में इन्हें हिरासत में रखने का कोई कारण नहीं बताया गया है, ना ही यह जानकारी दी गई है कि इन्हें स्वदेश भेजने की दिशा में कौन से कदम उठाए गए हैं।

इस मसले को अगर पिछले कुछ वर्षों में विदेशी घुसपैठियों पर तेज हुई राजनीति के संदर्भ में देखें तो कथित घुसपैठियों के खिलाफ कई गैरजिम्मेदार बयान भी देखने को मिल जाते हैं। इससे किसी कारण भारत में रह रहे विदेशियों के खिलाफ नफरत का माहौल बनता है और यह सवाल भी उठता है कि क्या सरकारी अधिकारियों के व्यवहार या फैसले पर उस माहौल का भी प्रत्यक्ष या परोक्ष प्रभाव पड़ रहा है।

शायद इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने इसे रेखांकित करना जरूरी समझा कि देश के संविधान की ओर से दिए गए जीवन के अधिकार की गारंटी यहां रह रहे सभी लोगों के लिए है चाहे वे विदेशी ही क्यों न हों। अवैध तौर पर देश में घुस आए लोगों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई जरूर की जाए, लेकिन इस क्रम में उनके जीवन की गरिमा सुरक्षित रहनी चाहिए।

त्रिकोणीय लड़ाई में फंसीं दिल्ली सीएम आतिशी

संयम श्रीवास्तव

दिल्ली विधानसभा चुनावों में जिन सीटों पर सबसे तगड़ा मुकाबला है उनमें अगर पहले नंबर पर नई दिल्ली सीट है तो दूसरे नंबर पर कालकाजी का नाम लिया जा सकता है. यहां से दिल्ली की सीएम आतिशी चुनाव लड़ रही हैं. उनका मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के रमेश बिधूड़ी और कांग्रेस की अलका लांबा से हैं. दिल्ली की राजनीति को जो समझते हैं वो जानते हैं कि रमेश बिधूड़ी और अलका लांबा दोनों ही जमीन लेवल के जुझारू नेता हैं. दूसरी तरफ आतिशी ने भी बहुत कम समय में दिल्ली की राजनीति में सर्वोच्च पद को हासिल किया है. जाहिर है कि यूं ही नहीं कोई सीएम की कुर्सी तक पहुंच जाता है. तकरीबन दो लाख मतदाताओं वाला कालकाजी क्षेत्र विभाजन के समय आए पंजाबी परिवारों, मध्यम वर्गीय निवासियों और पूर्वी भारत व बंगाल से आए प्रवासी मजदूरों का जटिल मेल है. दक्षिण-पूर्व दिल्ली के विशाल क्षेत्र में फैला कालकाजी क्षेत्र समृद्धि और संघर्ष का अनूठा मिश्रण पेश करता है. फ्रेंड्स कॉलोनी और महारानी बाग जैसी गेटेड सोसाइटीज, नेहरू प्लेस के व्यस्त टेक हब से लेकर गोविंदपुरी और श्रीनिवासपुरी की झुग्गी बस्तियों तक, यह विधानसभा क्षेत्र दिल्ली के सामाजिक-आर्थिक विषमताओं का एक छोटा रूप है. शायद यही पृष्ठभूमि इस विधानसभा की प्रकृति को अति जटिल बना देती है. आइये समझते हैं कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में इस बार कालकाजी से सीएम आतिशी अपना सीट बचा सकेंगी या नहीं. कालाका जी सीट पर 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप उम्मीदवार आतिशी ने 11,393 वोटों के अंतर से बीजेपी प्रत्याशी धर्मवीर सिंह को हराया था. आतिशी को 52.28% वोट मिले तो धर्मबीर सिंह को 41.63% हासिल हुए. कांग्रेस उम्मीदवार शिवानी चोपड़ा सिर्फ 4,965 वोटों (4.64%) के साथ तीसरे स्थान पर रहीं. 2015 के चुनाव में आप उम्मीदवार अवतार सिंह कालकाजी सीट से जीत हासिल की थी. उन्हें (51.7%) वोट शेयर के साथ 55,104 वोट मिले. भाजपा उम्मीदवार हरमीत सिंह कालका को 35,335 (33.16%) वोट मिले और वह दूसरे नंबर पर रहे। अवतार सिंह कालकाजी ने हरमीत सिंह कालका को 19,769 वोटों के अंतर से हराया था. आतिशी को 2020 में 55,897 वोट मिले थे. जो 2015 में आप के अवतार सिंह को मिले वोट से सिर्फ 793 अधिक हैं. इसी अवधि में कांग्रेस को 8,587 वोटों का नुकसान हुआ, जबकि बीजेपी को 11,269 वोटों का फायदा हुआ था. 2024 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने यहां से 12,000 वोटों की बढ़त ली थी.जाहिर है कि इसका सीधा मतलब है कि साल दर साल यहां आम आदमी पार्टी कमजोर हो रही है. कालका जी से बीजेपी प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी पर अकसर जिह्वा के बहक जाने का आरोप लगता रहा है. पर उनके माफी मांगने का अंदाज अलहदा है.

इसलिए लोग जल्दी ही उनकी बातों को भूल जाते हैं. रमेश बिधूड़ी ने आतिशी को अपने सरनेम बदलने पर घेरा था. इसी तरह उन्होंने एक दिन आतिशी को हिरनी भी बोल दिया था. पर इस तरह के विवाद से रमेश विधूड़ी के वोटर्स पर कुछ प्रभाव नहीं पड़ने वाला है. अलबत्ता आम आदमी पार्टी के एक नेगेटिव अभियान से जरूर विधूड़ी को फायदा हो सकता है.आम आदमी पार्टी विधूड़ी को बीजेपी का सीएम कैंडिडेट कहकर प्रचारित कर रही है. आम आदमी पार्टी की चाल यह है कि एंटी गुर्जर का मौहौल पैदा करके पंजाबियों और अन्य पिछड़ों के वोट का ध्रुवीकरण किया जा सके. पर इसका उल्टा प्रभाव पड़ रहा है. कालका जी सीट पर आने वाले गुर्जरों के लिए रमेश विधूड़ी प्राइड फील गुड दे रहे हैं. कभी दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र यूनियन का अध्यक्ष रहीं अलका लांबा कांग्रेस की तेज तर्रार नेता रही हैं. वो खुद को दिल्ली की बेटी के रूप में प्रचारित कर रही हैं. कुछ दिनों तक उन्होंने आम आदमी पार्टी में भी समय बिताया है.

इसलिए उन्हें आम आदमी पार्टी के सारे पैंतरे पता हैं. दूसरे जिस तरह कांग्रेस आम आदमी पार्टी पर हमलावर हुई है उससे उनका उत्साह बढ़ा है. उनका चुनावी प्रचार कांग्रेस शासन के दौरान, विशेष रूप से पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित की उपलब्धियों पर आधारित है. वह बीजेपी की महिला विरोधी मानसिकता और आप की शराब की राजनीति के खिलाफ जमकर हमला करती हैं.भागीदारी योजना से लेकर शहर की ग्रीन बेल्ट को संरक्षित करने, सीएनजी बसें लाने से मेट्रो तक, शीला जी ने शहर के विकास के लिए कई काम किए. शहर में जितने भी फ्लाईओवर हैं और जिस गति से दिल्ली उनके कार्यकाल में विकसित हुई, वह दिल्लीवासी हमेशा याद करेंगे।

अगर लोग बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें बदलाव के लिए वोट करना होगा.वह लोगों को चांदनी चौक में विधायक के रूप में अपने कामों को याद कराती हैं. अलका बताती हैं कि विधायकों को पांच साल में लगभग 50 करोड़ रुपये का फंड मिलता है. क्या आपको लगता है कि मौजूदा विधायक ने 50 करोड़ रुपये खर्च किए हैं? मैं पहले विधायक रह चुकी हूं और मैंने अपने क्षेत्र के विकास के लिए सारे फंड का उपयोग किया. जाहिर है कि अलका लांबा की मेहनत से कांग्रेस के परंपरागत वोटर्स हार जीत की चिंता किए बिना कांग्रेस को वोट देने का मन बना रहे हैं. अलका लांबा जितना मेहनत करेंगी वो दोनों ही पार्टियों बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों का ही वोट काटेंगी.

हस्तरेखा

हथेली की मंगल रेखा से चमकता है भाग्य

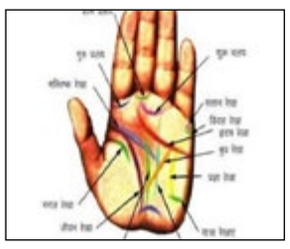

हर व्यक्ति सुख-सुविधाओं भरा जीवन बिताना चाहता है। ज्योतिष शास्त्र कहता है कि व्यक्ति जीवन में क्या-क्या प्राप्त करेगा, यह उसके कर्म के अलावा ग्रह-नक्षत्रों पर भी निर्भर करता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हथेली में कुछ ऐसी रेखाएं होती हैं जो भाग्य में राजयोग का निर्माण करती हैं। कहते हैं कि ये रेखाएं व्यक्ति को भाग्यवान के साथ धनवान भी बनाती हैं। इनमें से एक है मंगल रेखा। हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, कहा जाता है कि जिस व्यक्ति के हाथ में मंगल रेखा होती है वे लोग लग्जरी लाइफ जीते हैं। हथेली में मंगल रेखा कहां होती हैं: हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, मंगल रेखा जीवन रेखा के शुरुआती भाग से होकर निकलती है। यह ऊपर की ओर शुक्र पर्वत की ओर बढ़ती है। हथेली में मंगल रेखा की संख्या एक से अधिक भी हो सकती है। अगर यह रेखाएं मोटी और गहरी होती है, तो व्यक्ति का भाग्य मजबूत होता है। अगर मंगल रेखा जीवन रेखा से जुड़कर चलती है, तो माना जाता है कि इस रेखा का असर व्यक्ति की लाइफ पर भी पड़ता है।

1. कहा जाता है कि जिन लोगों की मंगल रेखा मजबूत होती है, वह भाग्यशाली होते हैं। ऐसे लोगों को कार्यों में जल्दी सफलता प्राप्त होती है और निराशा कम ही हाथ लगती है। 2. हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोग करियर में तरक्की करते हैं। इन्हें सरकारी नौकरी में उच्च पद भी मिलता है। बिजनेस में भी यह लोग अच्छा प्रदर्शन करते हैं। 3.कहा जाता है कि जिन लोगों की मंगल रेखा मजबूत होती है, उनकी लव मैरिज होती है। ऐसे लोगों की लव लाइफ व वैवाहिक जीवन अच्छा होता है। 4. हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की हथेली में मंगल रेखा उच्च होती है वे धन-धान्य से परिपूर्ण होते हैं। इनके पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं होती है।

व्यंग्य

रंजन श्रीवास्तव

गनीमत है वे अंखियों से गोली नहीं मारते

हम सब बहुत नादान हैं. इधर पाकिस्तान ने दो चार पटाखे फोड़े नहीं कि हमारा मीडिया हो हल्ला मचाने लगता है. जनता नेताओं को याद दिलाने लगती है कि तुमको चुना ही इसलिये था कि तुम पाकिस्तान को सबक सिखाओगे, बदला लो. धिक्कार है हम पर जो अपने ही चुने गये नेताओं से सवाल करते हैं. दरअसल हमारे राजनेता बड़े साहित्यिक किस्म के हैं. जरूर उन्होंने यह दोहा पढ़ा होगा"अस्त्र-शस्त्र के वार शत, करते कम आघात,वार जीभ का जब लगे, समझो पाई मात. यही कारण है कि जब जब बाजू वाला अपने बमों से वार करता है नेता जी कड़े शब्दों में जुबानी जंग लड़ते नजर आते हैं. कठोर शब्दों में भर्त्सना करते हैं . विरोध दर्ज करते हैं .

मुश्किल समय में विचलित न होने का संदेश भी चाणक्य नीति है.हमारे नेता भी असीम धैर्य का परिचय देते हैं वे दिलासा देते हैं कि शहीदों का खून बेकार नहीं जायेगा.हमें गर्व करना चाहिये अपने ऐसे स्थित प्रज्ञ नेताओं पर और भगवान का शुक्र मनाना चाहिये कि इन नेताओं ने यह नहीं पढ़ा"तेरे कटाक्ष, ले लेते हैं मेरे प्राण, चितवन को भेद जाते हैं, तेरे नयनों के तीर कमान.भले ही उन्होंने यह पढ़ा हो और सुना भी हो कि "अँखियन से गोली मारे" पर कम से कम उस पर अनुसरण तो नहीं करते. वरना कल्पना कीजिये आपको कैसा लगता जब सीमा पर पाकिस्तान की बमबारी के बाद नेशनल चैनल में ब्रेकिंग न्यूज पर विशेष प्रसारण की घोषणा होती और फिर नेता जी के दर्शन होते, वे कहते भाइयों और बहनों और फिर बाईं आँख बन्द कर पाकिस्तान को जबाब देते उसकी कायराना हरकत का हो सकता था कि वे सारे देश वासियों से भी आग्रह करते कि आईये हम सब एक साथ अपनी बाईं आँख बन्द कर सबक सिखा दें पड़ोसी को . ऐसा नहीं हो रहा, इसलिये गर्व करिये अपने चुने हुये जन प्रतिनिधियों पर जब आपने उन्हें चुन ही लिया है अगली बार फिर से बेवकूफ बनने तक के लिये तो जो कुछ वे कर रहे हैं उसमें हाँ में हाँ मिलाइये और खुश रहिये.विकास का स्वागत कीजिये. अंतरिक्ष की ओर निहारिये , वैज्ञानिकों पर गर्व कीजिये. शहीदों को श्रद्धांजलि दीजिये. संवेदना का ट्वीट कीजिये. कूटनीति की प्रशंसा कीजिये .अपना पूरा टैक्स अदा कीजिये. जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दीजिये.

मीडिया में हैं तो जन भावनाओं में उबाल भरिये.यदि विपक्ष में हैं तो निश्चिंत होकर सरकार की कड़ी आलोचना कीजिये , यदि कभी आप सत्ता में लौट आये तो उच्च कोटि के आई ए एस और भाषा विद सचिव आपके लिये अपनी बात से पलटी खाने के कई रास्ते निकाल देंगे. नई शब्दावली ढूंढ़कर कठोर शब्दों में निंदा का नया जुमला गढ़ देंगे . शब्द की शक्ति असीम है. इससे तीर और तलवार भी हार जाते थे. हिन्दी में एक कहावत है - बातन हाथी पाईये, बातन हाथी पांव. अर्थात आपके द्वारा कहे गये शब्दों से प्रभावित होकर आपको हाथी के पैरों तले रौंदे जाने का निर्णय भी लिया जा सकता है और आपके द्वारा कहे गये शब्दों से प्रसन्न होकर आपको हाथी के ऊपर बैठाया भी जा सकता है . शब्द इतने गहरे घाव देते हैं कि वे जीवन भर नहीं भरते. इसलिये नेताओं के शाब्दिक प्रहारों का समर्थन कीजिये . पाकिस्तान की नापाक हरकतों का यही तो सच्चा जबाब है कि उनको इतने गहरे घाव लगें जो कभी भरें नहीं . मुझे लगता है कि इतने बढ़िया शब्द बाणों के बाद भी जो असर पड़ोसी पर होना चाहिये वो यदि नहीं हो रहा.

कहानी

बीरबल की खिचड़ी

एक दफा शहंशाह अकबर ने घोषणा की कि यदि कोई व्यक्ति सर्दी के मौसम में नर्मदा नदी के ठंडे पानी में घुटनों तक डूबा रह कर सारी रात गुजार देगा उसे भारी भरकम तोहफ़े से पुरस्कृत किया जाएगा. एक गरीब धोबी ने अपनी गरीबी दूर करने की खातिर हिम्मत की और सारी रात नदी में घुटने पानी में ठिठुरते बिताई और जहाँपनाह से अपना ईनाम लेने पहुँचा.बादशाह अकबर ने उससे पूछा तुम कैसे सारी रात बिना सोए, खड़े-खड़े ही नदी में रात बिताए? तुम्हारे पास क्या सबूत है? धोबी ने उत्तर दिया. जहाँपनाह, मैं सारी रात नदी छोर के महल के कमरे में जल रहे दीपक को देखता रहा और इस तरह जागते हुए सारी रात नदी के शीतल जल में गुजारी. तो, इसका मतलब यह हुआ कि तुम महल के दीए की गरमी लेकर सारी रात पानी में खड़े रहे और ईनाम चाहते हो. सिपाहियों इसे जेल में बन्द कर दो - बादशाह ने क्रोधित होकर कहा.बीरबल भी दरबार में था. उसे यह देख बुरा लगा कि बादशाह नाहक ही उस गरीब पर जुल्म कर रहे हैं. बीरबल दूसरे दिन दरबार में हाजिर नहीं हुआ, जबकि उस दिन दरबार की एक आवश्यक बैठक थी. बादशाह ने एक खादिम को बीरबल को बुलाने भेजा. खादिम ने लौटकर जवाब दिया. बीरबल खिचड़ी पका रहे हैं और वह खिचड़ी पकते ही उसे खाकर आएँगे. जब बीरबल बहुत देर बाद भी नहीं आए तो बादशाह को बीरबल की चाल में कुछ सन्देह नजर आया. वे खुद तफतीश करने पहुँचे. बादशाह ने देखा कि एक बहुत लंबे से डंडे पर एक घड़ा बाँध कर उसे बहुत ऊँचा लटका दिया गया है और नीचे जरा सा आग जल रहा है. पास में बीरबल आराम से खटिए पर लेटे हुए हैं.बादशाह ने तमककर पूछा यह क्या तमाशा है? क्या ऐसी भी खिचड़ी पकती है? बीरबल ने कहा - माफ करें, जहाँपनाह, जरूर पकेगी. वैसी ही पकेगी जैसी कि धोबी को महल के दीये की गरमी मिली थी. बादशाह को बात समझ में आ गई. उन्होंने बीरबल को गले लगाया और धोबी को रिहा करने और उसे ईनाम देने का हुक्म दिया.

संस्मरण

अशोक शुक्ल

जैसे कोई और हो!

हाय-हाय, क्या बॉडी थी। क्या चाल थी, चार कदम चलकर कैसे झटके-से रुकती थी! जिधर से निकल जाती, जैसे चक्कू चल जाते। सैकड़ों दीवाने घेर लेते, आगे-पीछे भागते। शोर मच जाता-आ गई, आ गई। और सीधी कितनी? चाहे बीच सड़क में रोककर पकड़ लो! हाय-हाय क्या चीज थी! वह यूपी. रोडवेज की बस थी। हाय-हाय, क्या बाडी थी! क्या चाल थी! क्या शान थी! जैसे सरकार हो। बिलकुल वही सरकारों-सा स्वभाव। पहले लेट हुई। फिर ओवरलोड हो गई। कंडक्टर ने चलने की सीटी बजाई तो ड्राइवर इस शान से चढ़ा, जैसे एवरेस्ट पर चढ़ा हो। फिर उसने पीछे मुड़कर सवारियों- विशेषकर महिला सवारियों का निरीक्षण किया और बस स्टार्ट करने की कामना से कई पुर्जों को हिलाया-डुलाया। मगर बस बिलकुल सरकार की तरह अड़ गई, टस-से-मस न हुई। तब कंडक्टर ऐक्शन में आया। वाह रे कंडक्टर! आज भी जब उसका ध्यान आता है, मुंह से धन्य-धन्य निकलता है। उसने एक साथ अनेक काम किए। सर्वप्रथम, अपने कठोर नियंत्रण में सारी सवारियां उतारीं और उनसे बस ठेलवाई। क्या अलौकिक दृश्य था। सहकारिता का कैसा अनूठा चित्र था! छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, नर-नारी, सभी धक्का लगा रहे थे। एकता छलक पड़ रही थी। गोरी-गोरी मेहंदी-लगी हथेलियां किस प्यार से बस को धकेल रही थीं। जैसे कोई प्रिया अपने प्रिय की किसी छेड़खानी से अतिशय प्रसन्न हो, उसे हटो, बड़े वो हो' कहती परे धकेले! उस समय, सबके मन में एक ही इच्छा थी-काश हम भी बस होते। लेकिन शृंगार रस की इस कोश वाली चर्चा को यहीं छोड़ आपका ध्यान पुनः बस धकेलने से जन्मी सहकारिता की ओर खींचना चाहता हूं। उस दिन विश्वास हो गया, जब तक रेलगाड़ियां भी इसी तरह ठेल-ठेलकर स्टार्ट न कराई जाएगी, इस देश में सहकारिता आंदोलन कदापि न पनप सकेगा। बस चली। ओवरलोड थी, इसलिए चलने के साथ ही कई समस्याएं उग आई। ठीक कांग्रेस-विभाजन की तरह कुछ लोग जो पहले खड़े थे, अब दूसरों की सीटों पर जम चुके थे। बड़ी अव्यवस्था थी, चीख-पुकार मच रही थी। झगड़े बढ़ते जा रहे थे। मारपीट की संभावना काफी उज्ज्वल थी। स्थिति इतनी विस्फोटक थी कि सरकार होती, तो गोली चलवा देती; कि तभी हमारे प्यारे कंडक्टर ने माननीय गृहमंत्री का रोल संभाला।सर्वप्रथम उसने अपराधी और निरपराधी- दोनों को बुरी तरह डांटा। लगा, गृहमंत्री रेडियो पर गरज रहे हैं। फिर उसने किसी को उठाया, किसी को बैठाया। एक आदमी को बस से उतार देने की धमकी दी। जैसे किसी सूबाई मिनिस्टर को कैबिनेट से ड्राप करने की धमकी दी गई हो। अंततः व्यवस्था किसी अपमानित लड़की-सी लौटी। स्थिति-गुजरात की तरह-नार्मल हो गई।

वास्तु

मेहनत करने वाले को सफलता जरूर मिलती

कहा जाता है कि मेहनत करने वाले को सफलता जरूर मिलती है। लेकिन कई बार कड़ी मेहनत के बाद भी व्यक्ति को सफलता हासिल नहीं होती है, जिसका वह हकदार होता है। बार-बार असफलता मिलने के कारण व्यक्ति बुरी तरह से टूट जाता है।

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें रोजाना करने से असफलता को सफलता में बदला जा सकता है। जानें सफलता पाने के आसान वास्तु उपाय- वास्तु शास्त्र के अनुसार, सफलता पाने के लिए व्यक्ति को प्रतिदिन मछलियों को भोजन खिलाना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति का भाग्य उदय होता है और सफलता प्राप्त होती है। वास्तु के अनुसार, व्यक्ति को खूब तरक्की व कामयाबी पाने के लिए अपने पिता तथा पिता समान बड़ों का सम्मान करना चाहिए।

मान्यता है कि ऐसा करने से व्यक्ति की असफलता सफलता में बदल जाती है। वास्तु के अनुसार, तरक्की प्राप्त करने के लिए महिलाओं को शाम को घर की चौखट पर दीपक जलाना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, अपने घर की पूर्व दिशा में एक तांबे का सूर्य लगाना चाहिए। कहते हैं कि ऐसा करने से भगवान सूर्य की कृपा से नौकरी व व्यापार में तरक्की प्राप्त होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, उगते हुए सूर्य को सिंदूर एवं गुड़ मिश्रित जल से ॐ सूर्य देवाय नम का जाप करते हुए अर्ध्य देना चाहिए। मान्यता है कि इस उपाय को नियमित रूप से करने से व्यक्ति को नई ऊंचाइयां प्राप्त करता है।

ईईसीपी ट्रीटमेंट से बायपास की चीरफाड़ से मिला छुटकारा

प्रभाकर नामदेव नारखेड़े : डॉ. प्रदीप पाटिल के श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में हुआ उपचार

नागपुर: मुझे 11 साल पहले अचानक तकलीफ शुरु हुई और सीने में दर्द होने लगा था. मैं उस समय नाशिक के एक निजी अस्पताल में गया और वहां डॉक्टर ने एंजियोग्राफी करने को कहा. एंजियोग्राफी निकाली तो उसमें मेरे हृदय की धमणियों में मल्टिपल ब्लॉकेजेस पाए गए थे. मेरी हालत देखकर डॉक्टर ने मुझे तुरंत बायपास सर्जरी करने की जरुरत बताई. मैंने थोड़ा विचार किया और मुझे नागपुर के मेरे रिश्तेदार डॉ. प्रदीप पाटिल की याद आई. मैं बायपास की चीरफाड़ और उसके बाद होने वाले दर्द से बचना चाहता था. मैंने तत्काल कुछ प्रमुख कारण सामने करते हुए उस समय बायपास टाल दिया और सीधे नागपुर पहुंच गया. नागपुर में मैंने ईईसीपी ट्रीटमेंट ली. ट्रीटमेंट के बाद मैं हर साल त्र्यंबकेश्वर के ब्रह्मगिरि पर्वत की परिक्रमा और आलंदी से पंढरपुर वारी करता हूं. यह भावना नाशिक के प्रभाकर नामदेव नारखेड़े ने व्यक्त की.

Dr. Pradeep M. Patil

Mrs. Archana Patil Director

DR. Rucha Patil
M.B.B.S M.D(Anesthesia) Fellowship in Cardiac Rehabilitation. Certificate Of EECP (International cardiologist EECP Society USA)

मल्टिपल ब्लॉकेजेस होने से डॉक्टरों ने तुरंत बायपास कराने की दी सलाह

मैं अब 72 साल का हूं. 11 साल पहले दिसंबर 2013 में मुझे सीने में तकलीफ होने लगी थी. मैं नाशिक के ही एक हॉस्पिटल में गया और वहां डॉक्टर ने एंजियोग्राफी करने को कहा. एंजियोग्राफी में मल्टिपल ब्लॉकेजेस पाए जाने से उन्होंने तुरंत बायपास सर्जरी करने को कहा. नागपुर के श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल के डॉ. प्रदीप पाटिल मेरे रिश्तेदार हैं. उनके ईईसीपी ट्रीटमेंट के बारे में मुझे जानकारी थी. इसलिए मैंने मेरा बेटा घर पर नहीं है, मुझे विचार करना पड़ेगा, ऐसे कारण बताकर नाशिक के अस्पताल से छुट्टी ले ली. घर आते ही मैंने डॉ. पाटिल को कॉल किया और उन्हें अपनी समस्या बताई. उन्होंने मुझे तुरंत नागपुर आने को कहा. मैं तुरंत नागपुर पहुंचा और क्रॉसचेक करने के लिए दुबारा एंजियोग्राफी करने का निर्णय लिया. इस बार भी मल्टिपल ब्लॉकेजेस का निदान हुआ. डॉ. प्रदीप पाटिल ने तुरंत ईईसीपी ट्रीटमेंट शुरु करने को कहा. लेकिन मुझे एक निजी समारोह में जाना था, इसलिए मैं नाशिक वापस आ गया. इसलिए मेरी ट्रीटमेंट पूरी नहीं हो सकी थी. एक रिश्तेदार के निजी समारोह में डॉ. पाटिल से दुबारा मुलाकात हुई. उन्हें लगा कि मैं टालमटोल कर रहा हूं. इसलिए उन्होंने मुझे अपनी ही गाड़ी में नागपुर लाया. उनका कहना था कि उपचार में देरी करेंगे तो समस्या और भी बढ़ जाएगी. 8 जनवरी 2014 को श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में मेरी ईईसीपी ट्रीटमेंट शुरु हुई. मल्टिपल ब्लॉकेजेस होने से उन्होंने मुझे 20 सलाइन देने का निर्णय लिया. कोर्स पूरा करने के बाद मैं नाशिक वापस आया. सुनिश्चित करने के लिए फिर से एंजियोग्राफी की. इसमें सारे ब्लॉकेजेस वॉशआउट हो गए थे. तबसे मुझे कोई तकलीफ नहीं है. तबसे अब तक मैं हर साल श्रावण में त्र्यंबकेश्वर में ब्रह्मगिरि पर्वत की 20 किलोमीटर परिक्रमा करता हूं और आलंदी से पंढरपुर वारी के लिए भी जाता हूं. अब मुझे कोई तकलीफ नहीं है और मैं बिल्कुल स्वस्थ हूं. हालांकि उन्होंने मुझे बीच-बीच में ईईसीपी ट्रीटमेंट की एक सीटिंग करने को कहा है.

- प्रभाकर नामदेव नारखेड़े, नाशिक

भव्य हृदयरोग निदान एवं परामर्श शिविर

■ BP ■ Blood Sugar ■ ECG ■ BMI ■ PULSE ■ SP02 ■ THYROID ■ हृदय रोग संबंधी सलाह ■ Diet Consultation ■ LIPID

3000 /- के सारे टेस्ट केवल
₹ 500/-

शनिवार, 25 जनवरी 2025, समय 9 से 12
त्रिमूर्ति नगर श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल में शिविर आयोजित किया गया है. इस सुनहरे मौके का अवश्य लाभ लें.

कृपया अपॉइंटमेंट लेकर आए
कृपया पुरानी रिपोर्ट लेकर आये

डॉ. प्रदीप पाटिल पिछले 21 सालों से चिकित्सा सेवा में कार्यरत हैं.

70 से 100% ब्लॉकेजेस पर बगैर ऑपरेशन उपचार.

4 अत्याधुनिक EECP Ts3 USFDA मान्यताप्राप्त मशीन युक्त हॉस्पिटल

श्री स्वामी समर्थ हॉस्पिटल
पता : प्लॉट नं. 57/बी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, त्रिमूर्तिनगर, नागपुर.
मो.: 7083493268, 8390381479
www.eecpsssh.com ShreeSwamiSamarthHospital
वेबसाईट : www.eecpsssh.com, www.healurheart.com

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शनिवार, 25 जनवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

हर वर्ष आयोजित हो पर्पल महोत्सव: विधायक जोरगेवार

> दिव्यांगों के रोजगार सृजन के लिए 1 करोड़ रुपये का फंड दिया जाएगा

चंद्रपुर, सुनील तायडे

विधायक किशोर जोरगेवार ने नगर निगम से हर साल पर्पल महोत्सव आयोजित करने और दिव्यांग भाइयों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए शहर में सबसे बड़ा हॉल उपलब्ध कराकर इस गतिविधि को जारी रखने की अपील की।

चंद्रपुर नगर निगम की दिव्यांग नीति के तहत, दिव्यांग कौशल विकास बहुउद्देशीय सोसायटी और पूनम प्रोडक्शंस ने विकलांग लोगों के उत्थान और विकास के लिए 24 जनवरी को प्रियदर्शिनी ऑडिटोरियम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया। बहुत से लोग जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं, अपने मन से संतुष्ट नहीं हैं, लेकिन यह सीखने लायक है कि विकलांग भाई अपनी शारीरिक सीमाओं के बावजूद जीवन से प्यार करते हैं। उन्होंने घोषणा की कि नगर निगम को चंद्रपुर शहर में 10 बस स्टैंड

बनाने चाहिए, जिसमें सोलर सिस्टम, महिलाओं के लिए शौचालय और विकलांग लोगों को उन्हें चलाने के लिए दिया जाना चाहिए, ताकि उन्हें रोजगार मिल सके, उन्होंने 1 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि नगर पालिका को दिव्यांगों के रोजगार के लिए अन्य प्रस्ताव भी तैयार करने चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि दिव्यांग भाइयों को महाकाली महोत्सव में प्रस्तुति देने के लिए मंच उपलब्ध कराया जाएगा और इस माध्यम से उनकी प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचेगी। इस मौके पर उन्होंने बड़े स्तर पर दिव्यांगों के लिए अवसर मिलने पर हर जरूरी मदद मुहैया कराने का वादा किया.

अभिभावक सचिव संतोष कुमार ने कहा कि, दिव्यांग भाइयों ने जिस उत्साह के साथ यहां नृत्य प्रस्तुत किया, उससे उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिल गया। उनके चेहरेपर खुशी झलक रही है। चंद्रपुर नगर पालिका द्वारा विकलांगों के लिए आयोजित कार्यक्रम निश्चित रूप से सराहनीय है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल कार्यक्रम देखने के लिए दोगुनी संख्या में लोग आएंगे।

जिलाधिकारी विनय गौड़ा ने बताया कि, दिव्यांग भाइयों को खुद को अभिव्यक्त करने और उन्हें समाज के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में गौरवान्वित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए चंद्रपुर नगर निगम को बधाई। हमें उम्मीद है कि अगले साल अधिक से अधिक दिव्यांग भाई भाग लेंगे और पर्पल उत्सव का आनंद लेंगे। आयुक्त विपीन पालीवाल ने कहा कि, मनपा ने चंद्रपुर जिले में पहली बार पर्पल फेस्टिवल का सफल आयोजन किया है. पर्पल उत्सव दिव्यांग भाई-बहनों के लिए जाना जाता है, दिव्यांग बच्चों के माता-पिता आज खुश होंगे, उत्सव में दिव्यांग भाइयों के लिए सारी व्यवस्थाएं की गई थीं. नगर निगम की नीति विकलांग लोगों को समाज की मुख्यधारा में लाने की है। नगर पालिका भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करती रहेगी।

इस अवसर पर पालक सचिव संतोष कुमार, जिलाधिकारी विनय गौड़ा, आयुक्त विपिन पालीवाल, समाज कल्याण अधिकारी धनंजय साल्वे, उपायुक्त मंगेश खवले, सहायक आयुक्त शुभांगी सूर्यवंशी, अक्षय गाडलिंग संतोष गर्गेलवार, सामाजिक विकास अधिकारी सचिन माकोड़े, रफीक शेख, प्राचार्य डॉ. कापसे-गवांडे, नीलेश पज़ारे, रमेश कुमार बोरकुटे, अमोल शेंडे, दत्ताजी, रोशनी चेगे, चिंतेश्वर मेश्राम, शहर अभियान प्रबंधक और सामुदायिक आयोजक पांडुरंग खडसे, सुषमा कर्मणकर, रेखा लोटाने, रेखा पाटिल, चिंगुताई मुन और वार्ड सखी उपस्थित थे।

नेहरू मार्केट के 4 दुकानें सील

> नगर निगम कर विभाग की कड़ी कार्रवाई

चंद्रपुर

नगर निगम कर संग्रह दल ने जोन क्रमांक 1 के नेहरू मार्केट में 4 दुकानों को बकाया राशि ना देनेपर उन्हें सिल लगाकर बंद कर दिया है। उक्त कार्रवाई नगरपालिका कर विभाग द्वारा बार-बार नोटिस देने और तीन बकाया नोटिस के बावजूद उक्त संपत्ति मालिकों द्वारा कर का भुगतान न करने के कारण की गई है।

नेहरू मार्केट में 2 प्लॉट के मालिक पी कुमार आबाजी पर 82,274, जय गोपाल सुरेशचंद्र शाह पर 70,019 और शामराव बालाजी नागपुरे पर कुल 94,757 रुपये बकाया है। इससे पहले इन सभी को तीन बार बकाया नोटिस जारी किया गया था। लेकिन टैक्स चोरी के चलते नगर निगम के टैक्स विभाग ने दुकानों को सील कर दिया है।

चंद्रपुर शहर नगर निगम के माध्यम से कर वसूली के लिए जोनवार विशेष अभियान चलाया जा रहा है. इसके लिए नगर निगम अधिकारियों की टीमें छुट्टी के दिन भी काम कर रही हैं. बकाया टैक्स नहीं चुकाने वाले संपत्ति मालिकों की संपत्ति सील करने की कार्रवाई बड़े पैमाने पर चल रही है. कुछ संपत्ति मालिक चेक के माध्यम से कर का भुगतान करते हैं, अधिकतम चेक कैश हो जाते हैं, लेकिन वे चेक कैश नहीं होते हैं, नगर पालिका द्वारा आपराधिक कार्रवाई की जा रही है।

उक्त कार्रवाई 24 जनवरी को मनपा आयुक्त विपीन पालीवाल के मार्गदर्शन और उपायुक्त मंगेश खवले के सीधे नियंत्रण में सहायक आयुक्त संतोष गर्गेलवार, कर विभाग प्रमुख अनिल घुले, प्रवीण हजारे और अन्य कर्मचारियों द्वारा की गयी.

3 फरवरी को लोकतंत्र दिवस

चंद्रपुर .

सरकारी तंत्र द्वारा सभी आम लोगों की शिकायतों और कठिनाइयों को न्याय और तत्परता से संबोधित करने की एक प्रभावी योजना के रूप में, हर महीने के पहले सोमवार को चंद्रपुर नगर निगम कार्यालय में 'लोकतंत्र दिवस' का आयोजन किया जाता है। फरवरी माह में लोकतंत्र दिवस, सोमवार 3 फरवरी 2025 को नगर निगम कार्यालय में दोपहर 1 बजे आयुक्त की अध्यक्षता में इसका आयोजन किया गया है.

जो नागरिक शारीरिक रूप से उपस्थित होने में सक्षम नहीं हैं, उनके लिए नगर पालिका ने ई-लोकतंत्र दिवस की सुविधा दी है, जिसमें वे लोकशाही दिवस के अवसर पर अपनी शिकायत ईमेल आईडी lokshahidincomplaint@gmail.com पर भेज सकते हैं निर्धारित प्रारूप में आवेदन की प्रतियां आवेदन जमा करने के बाद कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को विवरण भेजा जाएगा। संबंधित विभागाध्यक्ष आवेदक को अपने स्तर पर कथन के संबंध में की गई कार्यवाही अथवा चल रही कार्यवाही की जानकारी देगा, यदि विभागाध्यक्ष ऐसा नहीं करता अथवा आवेदक संतुष्ट नहीं है तो आवेदक को तुरंत आयुक्त से सम्पर्क करना चाहिए। आप आयुक्त कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी बात रख सकते हैं

सरकारी मेडिकल अस्पताल में कांग्रेस का भीख मांगो आंदोलन

चंद्रपुर.

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आम नागरिकों को सरकारी मेडिकल कॉलेजों में अपर्याप्त सुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके विरोध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी के चंद्रपुर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा. कन्नमवार सरकारी मेडिकल कॉलेज में भींख मांगो आंदोलन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

चंद्रपुर सरकारी मेडिकल कॉलेज में कई मेडिकल सुविधाओं की कमी की बात कई समसामयिक पत्रों में सामने आयी थी. एक्स-रे मशीन सुविधा, एम.आर.आई. चंद्रपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक वर्ग ने इसके खिलाफ भीख मांगो विरोध प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान आकर्षित किया क्योंकि सुविधाएं और सिटी

स्कैन सही समय पर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे थे। इस अवसर पर प्राप्त धनराशि को मेडिकल कॉलेज के कार्यालय में जमा कराया गया तथा समस्याओं के संबंध में कलेक्टर एवं सांसद को अवगत कराया गया। बयान में मरीजों को सभी आधुनिक सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। अन्यथा भविष्य में इस संदर्भ में उग्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी भी इस पत्र में दी गयी. इस आंदोलन का नेतृत्व सोहेल रज़ा ने किया था. इस अवसर पर गोपाल अमृतकर, प्रवीण पडवेकर, प्रशांत भारती, चंदा वैरागडे, राहुल चौधरी, सचिन रामटेके, मुन्नी बाजी, शोभा वाघमारे, सिरीन कुरेशी, रामकृष्ण कोंड्रा, अंकित रामटेके, रमीज शेख, शहजाद अहमद, आमिर शेख, सादिक शेख, शकील सूफी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसीसी कॉलोनी में हुई लाखों की चोरी का हुआ खुलासा

घुग्गुस. घुग्घुस में 18 अक्टूबर 2024 को रात में तुकाराम खामनकर और मंदा चंदनखेड़े के क्वार्टरो में चोरों द्वारा चोरी कर 3.69 लाख का माल लेकर फरार हो गए थे।चंद्रपुर अपराध शाखा व घुग्घुस पुलिस द्वारा गुप्त जानकारी के आधार पर चोरी की घटनाओं में लिप्त आरोपियो को गिरफ्तार कर जांच करने पर 3,94,200 रुपए का मुद्दे माल चोरों के पास से जमा कर लिया गया है।प्राप्त जानकारी अनुसार घुग्घुस और चंद्रपुर शहर में सेंधमारी मामले की जांच के दौरान गुप्त सूचना के आधार पर रैय्यतवारी कॉलोनी, आमटे लेआउट ,चंद्रपुर निवासी मोहम्मद सरफरोश शागिर शाह उम्र 24 वर्ष को स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान आरोपी मोहम्मद ने बताया कि घुग्घुस के अलावा चंद्रपुर में भी दो और चोरी की घटनाओं को दो अन्य साथियों के साथ मिलकर अंजाम दिया था। जानकारी मिलते ही स्थानीय अपराध शाखा व घुग्घुस पुलिस द्वारा दो अन्य चोरी में लिप्त चोरों को हिरासत में लिया। जिसमें श्रवन झाडे उर्फ मिर्ची उम्र 19 वर्ष , बॅक ऑफ इंडिया के पीछे घुग्घुस रहवासी और एक नाबालिक का समावेश है। जांच के दौरान चोरों द्वारा कई जगहों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात सामने आई।

कुष्ठ रोग पर आधारित कैलेंडर का वितरण

> बीमारी के बारे में देखभाल की जानकारी मिलेगी

चंद्रपुर .

चंद्रपुर नगर निगम, सहायक निदेशक (कुष्ठ), लेप्रोसी सोसाइटी तेलंगाना की ओर से कुष्ठ रोग की बुनियादी वैज्ञानिक जानकारी और कुष्ठ रोगियों द्वारा की जाने वाली हाथों और पैरों की देखभाल पर एक कैलेंडर तैयार किया गया और इस कैलेंडर को वितरित किया गया था 16 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम क्षेत्र के कुष्ठ रोगी एवं अन्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम का लक्ष्य 2027 तक शून्य कुष्ठ रोग संचरण के लक्ष्य को प्राप्त करना है। इस संबंध में स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से कुष्ठ रोग को खत्म करने के लिए 30 जनवरी से 13 फरवरी तक 'स्पर्श' कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में दूरदराज के क्षेत्रों के साथ-साथ उन जिलों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा जहां कुष्ठ रोग की संख्या अधिक है. स्कूली विद्यार्थियों की जांच की जाएगी और उन्हें इस अभियान में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इसी प्रकार कुष्ठ रोग पहचान अभियान के माध्यम से समाज के लोगों में कुष्ठ रोग के प्रति फैली गलतफहमी, अंधविश्वास एवं भय को दूर करने तथा यह भावना जागृत करने के लिए कि यह रोग अन्य रोगों की तरह ही एक सामान्य रोग है, एक कैलेंडर तैयार किया गया है। 16 जनवरी को यह कैलेंडर नगर निगम क्षेत्र के कुष्ठ रोगियों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी वितरित किया गया. उक्त कार्यक्रम में मरीजों की आवश्यकतानुसार अल्सरकिट कमिश्नर विपिन पालीवाल द्वारा वितरण किया गया।

इस अवसर पर चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नैना उत्तरवार एवं डॉ. संदीप गेडाम, सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, कुष्ठ रोग, शहरी स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधिकारी और कुष्ठ रोग कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पी. के. मेश्राम एवं आभार प्रदर्शन आर.एस. त्रिपुरवार द्वारा किया गया।

हर जिले में गोटूल केन्द्र की स्थापना की जाएगी

> आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक उइके

गढ़चिरोली:

राज्य सरकार ने आदिवासी समुदाय के विकास के लिए ठोस कदम उठाते हुए अब हर जिले में आदिवासी गोटूल केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। जनजातीय विकास मंत्री डॉ. अशोक उइके ने यह घोषणा आरमोरी में आयोजित सांस्कृतिक कला एवं खेल प्रतियोगिता गोटूल महोत्सव के अवसर पर बोलते हुए की। इस अवसर पर सांसद नामदेव किरसन, विधायक डा. मिलिंद नरोटे, श्री. रामदास मसराम उपस्थित थे।

मंत्री डॉ.उइके ने कहा, "राज्य सरकार ने आदिवासी समुदाय के विकास के लिए एक व्यापक नीति बनाई है। इसके तहत हर जिले में एक सर्वसुविधायुक्त गोटूल केंद्र की स्थापना की जाएगी। गोटूल के शिलान्यास समारोह में मैं स्वयं उपस्थित रहूंगी।" उन्होंने वादा किया, "अगले छह महीनों में आरमोरी में सेंटर स्थापित किया जाएगा।"

डीबीटी प्रक्रिया को सरल बनाने का वादा

मंत्री उइके ने स्पष्ट किया कि सरकार ने आदिवासी विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) की सुविधा के लिए भी ठोस योजना बनाई है। उन्होंने कहा, "अब छात्रों के दाखिले के बाद डीबीटी की राशि सीधे उनके खातों में जमा हो जाएगी। इसके लिए आंदोलन की जरूरत नहीं पड़ेगी।"

पीईएसए के अंतर्गत भर्ती योजना

उन्होंने यह भी कहा कि अगले छह महीने में पेसा योजना के तहत भर्ती की योजना बनाई जा रही है, जिससे आदिवासी समुदाय के युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

जनजातीय समुदायों के लिए ठोस प्रयास का आह्वान...

मंत्री उइके ने दलीय मतभेदों को भुलाकर आदिवासी समुदाय के विद्यार्थियों की प्रगति के लिए मिलकर प्रयास करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि गोटूल महोत्सव के अवसर पर आदिवासी संस्कृति और कला को बढ़ावा देने के लिए आयोजित कार्यक्रम से स्थानीय नागरिकों में उत्साह का संचार हुआ है।

अवनीत का बोल्ड लुक

वनीत कौर ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी. वह 'ट्विस्ट वाला लव', 'चंद्र नंदिनी' और 'अलादीन- नाम तो सुना होगा' जैसे टीवी सीरियलों का हिस्सा रह चुकी हैं. वहीं अब वह बॉलीवुड और ओटीटी पर भी अपना हाथ आजमा रही हैं. अवनीत कौर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. हाल ही में उन्होंने कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, इन फोटोज में अवनीत रेड कलर का शॉर्ट आउटफिट पहनें दिख रही हैं. इन तस्वीरों के सामने आते ही वह सुर्खियों में आ गई हैं.

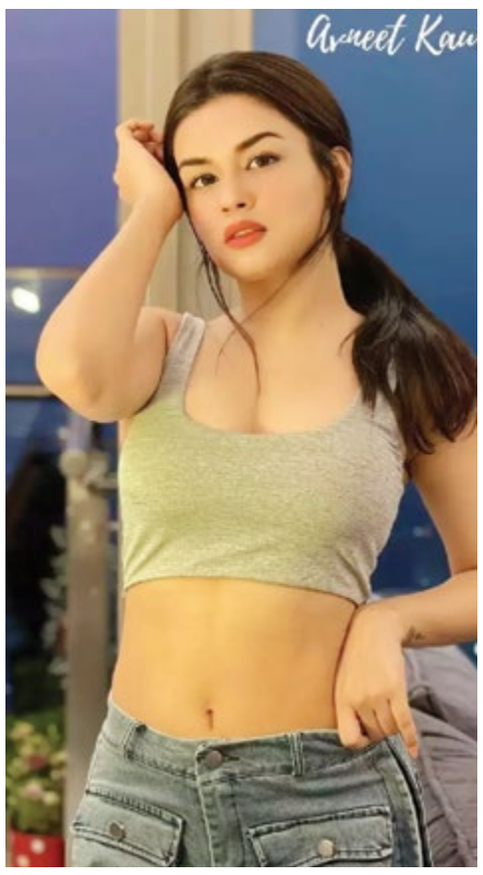

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अवनीत कौर रेड कलर का टाइट क्रॉप टाप पहनें दिख रही हैं और इसी के साथ उन्होंने मैचिंग शॉर्ट्स भी पहनें हैं. इस आउटफिट के साथ अवनीत कौर ने ब्लैक बूट्स पहनें हैं और हाथ में ब्लैक कलर का पर्स ले रखा है. इस आउटफिट में एक्ट्रेस अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं.

इस आउटफिट में अवनीत कौर की बोल्डनेस से फैंस की निगाहें भी नहीं हिट रही हैं. इस आउटफिट में वह अपने टोन्ड और लॉन्ग लेग्स जमकर फ्लॉन्ट भी कर रही हैं. इस आउटफिट में एक्ट्रेस अवनीत कौर अपना क्लीवेज दिखा रही हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को अब तक लाखों की संख्या में लाइक किया जा चुका है.अवनीत कौर ने इन फोटोज को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'इंतजार कराने के लिए सॉरी.' एक्ट्रेस के इन फोटोज पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं.

इस तस्वीर में अवनीत अपने सेंसुअस अंदाज और किलर लुकर से फैंस के होश उड़ा रही हैं. फोटो में वह सिर पर हाथ रखकर पोज दे रही हैं. इस तस्वीर में एक्ट्रेस अवनीत कौर शीशे के सामने सेल्फी लेती दिख रही हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

फल्मि 'अनुजा' की ऑस्कर में एंट्री

डायरेक्टर एडम जे ग्रेव्स की हिंदी भाषा में बनाई अमेरिकन फिल्म 'अनुजा' को ऑस्कर 2025 में नॉमिनेट किया गया है. इस फिल्म को लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला है. ये बात कम लोग जानते हैं कि प्रियंका चोपड़ा इस फल्मि की एग्जक्यूटवि प्रोड्यूसर हैं. ऑस्कर 2025 में इंटरनेशनल फिल्म कैटेगरी के लिए भारत की दो फिल्में- डायरेक्टर संध्या सूरी की 'संतोष' और डायरेक्टर पायल कपाड़िया की 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' से नॉमिनेशन की उम्मीद की जा रही थी. हालांकि ये दोनों ही फिल्में नॉमिनेशन पाने में नाकाम रहीं.

ग्रेव्स की बनाई 'अनुजा' एक लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म है. इसकी कहानी एक 9 साल की अनुजा नाम की बच्ची के बारे में है, जो अपनी बड़ी बहन पलक के साथ एक कपड़ों की फैक्ट्री में काम करती है. फिल्म की कहानी में 9 साल की अनुजा की जर्नी को दिखाया जाता है. उसे अपनी जिंदगी में एक बड़ा निर्णय

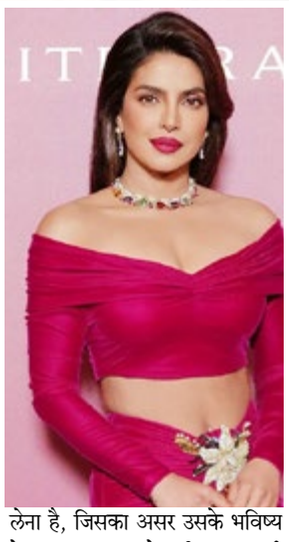

लेना है, जिसका असर उसके भविष्य के साथ-साथ उसके परिवार पर भी होगा.

फिल्म 'अनुजा' को अलग-अलग कम्यूनिटी पार्टनर्स ने मिलकर बनाया है. इस फिल्म को एक इंडियन नॉन प्रॉफिट एनजीओ सलाम बालक ट्रस्ट और नॉन प्रॉफिट प्रोडक्शन कंपनी शाइन ग्लोबल के तले बनाया गया है. सलाम बालक ट्रस्ट को फेमस डायरेक्टर मीरा नायर के परिवार ने शुरू किया था. ये एनजीओ दिल्ली-एनसीआर के सड़क पर रहने वाले और काम करने वाले बच्चों को सपोर्ट करती है. अक्टूबर 2024 में प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर इस फिल्म से जुड़ी थीं. इसके बाद नवंबर 2024 में एक्ट्रेस मिंडी केलिंग और जनवरी 2025 में प्रियंका चोपड़ा जोनस ने इस फिल्म कोई जॉइन किया.

फिल्म 'अनुजा' का वर्ल्ड प्रीमियर 24वें डेडसेंटर फिल्म फेस्टिवल में 8 जून 2024 को हुआ था. अगस 2024 में हॉलीशॉर्ट्स फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म ने बेस्ट लाइव एक्शन शॉर्ट का अवॉर्ड जीता. अक्टूबर 2024 में इसने मॉन्टक्लेयर फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस अवॉर्ड शॉर्ट फिल्म को जीता. अक्टूबर 2024 में ही न्यूयॉर्क शॉर्ट्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसने ग्रैंड प्राइज भी जीता था. जनवरी 2025 में इसके डिस्ट्रब्यूशन राइट्स को नेटफ्लिक्स ने पा लिया था.

अर्जुन बाजवा संग केदारनाथ पहुंची थीं सारा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की हाल ही में मोस्ट अवेटेड फिल्म 'स्काईफोर्स' रिलीज हुई है. इस मूवी में सारा वीर पहाड़िया के अपोजिट नजर आ रही हैं. मूवी में इस जोड़ी को काफी पसंद किया जा रहा है. अब इसी बीच एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं. दरअसल बता दें कि सारा अली खान का नाम इन दिनों मॉडल अर्जुन बाजवा संग जुड़ रहा है. हाल ही में दोनों ने राजस्थान से अपने अलग-अलग फोटोज शेयर किए थे, जिसके बाद दोनों के लिंकअप रूमर्स को लेकर अटकलें लगाई जाने लगीं. वहीं अब इन रूमर्स पर खुद अर्जुन बाजवा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है.

वरिंदर चावला की टीम को दिए एक इंटरव्यू में अर्जुन बाजवा ने सारा अली खान संग अपने रिश्ते पर सफाई पेश करते हुए लिखा, 'लोगों को जो लिखना है, वह लिखेंगे. यह उनका काम है, वह बस अपनी नौकरी कर रहे हैं. मैं केवल खुद पर ध्यान दे रहा हूं और अपने काम पर ध्यान दे रहा हूं. इन अफवाहों से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. मैं केवल वही करता हूं जो मेरा दिल करता है.'

बता दें कि एक्ट्रेस सारा अली खान और अर्जुन बाजवा साल 2024 में एक साथ केदारनाथ पहुंचे थे, जहां से दोनों के डेटिंग रूमर्स की अटकलें शुरू हुई थीं. बाद में ये दोनों दिसंबर में राजस्थान में एक-साथ वेकेशन मनाते नजर आए थे. गौरतलब है कि अर्जुन बाजवा मॉडल के साथ-साथ एक एक्टर भी हैं. वह राजनेता फतेह जंग सिंह बाजवा के बेटे हैं. अर्जुन 'बैंड ऑफ महाराजा' में भी नजर आ चुके हैं. इसके अलावा वह अक्षय कुमार की फिल्म 'सिंह इज ब्लिंग' में भी असिस्ट कर चुके हैं.वहीं सारा अली खान अपनी फिल्म 'स्काईफोर्स' को लेकर लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं. इस मूवी में सारा वीर पहाड़िया की बीवी का किरदार निभा रही हैं. मूवी को संदीप केवलानी और अभिषेक कपूर ने डायरेक्ट किया है. ऐसे में देखना होगा कि यह मूवी दर्शकों के दिलों में उतर पाएगी या नहीं?

मोस्ट अवेटेड फिल्म जाट की रिलीज डेट फाइनल

बॉलीवुड स्टार सनी देओल की मोस्ट अवेटेड फिल्म जाट का टीजर पुष्पा 2 के साथ रिलीज हुआ था। उसके बाद से ही सनी देओल के फैंस इस मूवी के लिए एक्साइटेड थे। अब इसकी रिलीज डेट भी आ गई है। मजे की बात ये है कि इस मूवी की टक्कर अक्षय कुमार की एक मोस्ट अवेटेड मूवी से होने जा रही है। इसे लोग इस साल का सबसे बड़ा क्लैश बता रहे हैं। आज सनी देओल ने खुद अपनी फिल्म की रिलीज डेट लोगों के साथ शेयर की। उन्होंने जाट का एक नया पोस्टर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाया। ये फिल्म 10 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गोपीचंद मालिनेनी निर्देशित और मैथरी मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री निर्मित, फिल्म जाट में सनी देओल के साथ रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा जैसे सितारे भी हैं, जिनकी उपस्थिति हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ एक रोमांचक कहानी का वादा करती हैं। फिल्म जाट का संगीत थमन एस का है.

एडमिट होने की खबरों पर भड़कीं मोनाली ठाकुर

मशहूर सिंगर मोनाली ठाकुर के स्वास्थ्य से जुड़ी आई एक खबर ने फैंस को चिंता में डाल दिया है. हाल ही में एक खबर आई थी जिसमें दावा किया गया कि एक लाइव परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर को सांस लेने में दिक्कत हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. मोनाली से जुड़ी इस खबर ने फैंस को हैरान और परेशान कर दिया था, लेकिन अब सिंगर ने सामने आकर इस खबर का सच बताया है और अपने फैंस को अपना हेल्थ अपडेट भी दिया है. बता दें कि मोनाली ठाकुर कूच बिहार के दिनहाटा फेस्टिवल में परफॉर्म कर रही थीं. वहां से ही सिंगर

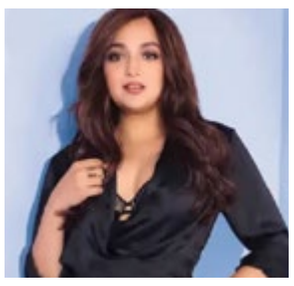

के अस्वस्थ्य होने की खबर आई थी.

दरअसल, मोनाली ठाकुर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी लगाई है, जिसमें उन्होंने अपने फैंस को बताया है कि वह पूरी तरह ठीक हैं और उनसे जुड़ी ये खबरें झूठी हैं. उन्होंने अस्पताल में दाखिल होने की खबरों को गलत बताया है. मोनाली ठाकुर ने लिखा, 'प्यारी मीडिया और जो लोग मेरी हेल्थ के लिए टेंशन में थे, मुझे आशा है कि आप अच्छे हैं. मैंने ये अनुरोध करने के लिए लिखा है कि मेरी हेल्थ से जुड़ी कोई भी गलत खबर शेयर मत कीजिए. मैं आप सभी से मिल रहे प्यार और फिक्र की सराहना करती हूं, लेकिन ये बताना चाहती हूं कि मुझे सांस लेने में बिल्कुल भी दिक्कत नहीं हुई है. मोनाली ठाकुर ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, 'ये सब गलत जानकारी है. मैं वायरल इन्फेक्शन की वजह से इन दिनों बीमार जरूर महसूस कर रही थी.

राम गोपाल वर्मा के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

मशहूर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने एक्स यानी ट्विटर पर अपनी नई मूवी की घोषणा की है। इसका नाम है सिंडिकेट। डायरेक्टर ने दावा किया है कि ये 'अब तक की सबसे बड़ी फिल्म' होगी और कसम खाई कि ये सिनेमा के उनके सभी पापों को धो देगी।सिंडिकेट मूवी की टैगलाइन है- "केवल मनुष्य ही सबसे भयानक जानवर हो सकता है।" इसकी स्टोरी के बारे में भी राम गोपाल वर्मा ने एक्स पर बात की है। उन्होंने बताया कि इसकी स्क्रिप्ट एक भयानक संगठन पर बेस्ड है जो भारत के अस्तित्व को खतरे में डालता है।

इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने एक इंटरव्यू में कहा था कि फिल्म सत्या के ब्लॉकबस्टर होने और उसके 100 मिलियन

डॉलर कमाने पर वो सफलता के नशे में चूर हो गए थे। मगर फिर बाद में उन्होंने प्रण लिया था कि वो सत्या जैसी ही एक हिट फिल्म बनाएंगे। शायद सिंडिकेट वही फिल्म है।

मगर फिल्म के अनाउंस होने बाद ही इस पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इधर उन्होंने फिल्म की अनाउंसमेंट की और उधर आज मुंबई के अंधेरी कोर्ट ने राम गोपाल वर्मा को चेक बाउंस मामले में 3 महीने की सजा सुना दी।

अंधेरी मजिस्ट्रेट कोर्ट 7 साल से इस मामले की सुनवाई कर रहा था। डायरेक्टर सुनवाई के दौरान उपस्थित नहीं थे, जिसके कारण अदालत ने उनकी गिरफ्तारी के लिए गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया।

वारंट जारी होने के बाद से ही राम गोपाल वर्मा के फैंस चिंतित हैं। वो उनके बारे में सोच कर परेशान हो रहे हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि अगर वो जेल चले गए तो उनकी मूवी सिंडिकेट का क्या होगा?

रियल पुलिस ने किया 'पाताल लोक 2' का रिव्यू

भारत के सबसे दमदार ओटीटी शोज में से एक 'पाताल लोक' का दूसरा सीजन 5 साल बाद आया है. इस शो के हीरो इंस्पेक्टर हाथीराम चौधरी (जयदीप अहलावत) एक नए केस की इन्वेस्टिगेशन में घुस चुके हैं और ये नया सीजन जनता को बहुत इम्प्रेस कर रहा है.

'पाताल लोक' अपने मूल स्वभाव में एक पुलिस प्रोसीजरल ड्रामा है. इसके दोनों सीजन की कहानियां पुलिस इन्वेस्टिगेशन पर बेस्ड हैं और मुख्य किरदार पुलिस ऑफिसर्स हैं. जनता को तो शो इम्प्रेस कर ही रहा है और इसे खूब पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है. मगर एक पुलिस ऑफिसर के नजरिए से 'पाताल लोक' कितना रिलेटेबल है? एक रियल लाइफ कॉप इस शो को किस नजरिए से देखता है?

ये जानने के लिए हमने एक रियल पुलिस ऑफिसर से बात की, जिन्होंने 'पाताल लोक' के दोनों सीजन देखे हैं. उन्होंने बताया कि हाथीराम चौधरी की लाइफ और रियल पुलिस ऑफिसर के लाइफ में कितनी समानताएं होती हैं. शो में एक महिला पुलिसकर्मी मंजू का किरदार उन्हें क्यों बहुत पसंद है और 'पाताल लोक 2' उन्हें कैसा लगा.

सुहैब अहमद फारुकी, दिल्ली पुलिस में एक सीनियर इंस्पेक्टर हैं और दिल्ली के कई पुलिस थानों में स्टेशन हाउस ऑफिसर भी रह चुके हैं. उन्होंने 'पाताल लोक 2' एक ही बार में पूरा निपटाया है. शो के दूसरे एपिसोड में एक सीन है जब हाथीराम, अब अपने सीनियर बन चुके इमरान अंसारी (इश्वाक सिंह) के सामने एक बहुत कड़क सैल्यूट मारता है. सुहैब ने हमें बताया कि दिल्ली पुलिस के एक ऑफिसर के किरदार में जयदीप अहलावत का 'बॉडी स्ट्रक्चर तो ठीक है, बस

नहीं रहे राजपाल के पिता

बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव के पिता का दिल्ली में निधन हो गया है. बताया जा रहा है कि वो पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. पिता की तबीयत बिगड़ने के बाद राजपाल को अपनी वर्क ट्रिप से वापस लौटना पड़ा था. राजपाल यादव काम के सिलसिले में थाईलैंड गए हुए थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजपाल के पिता का इलाज दिल्ली के AIIMS अस्पताल में चल रहा था. यहीं उन्होंने अपनी आखिरी सांस ली.

कुछ दिन पहले खबर आई थी कि राजपाल यादव को जान से मारने की धमकी मिल रही हैं. एक्टर को धमकी भरे ई-मेल आए थे. बताया गया था कि ये धमकी उन्हें पाकिस्तान से आई है. एक्टर ने मुंबई पुलिस को

इसकी शिकायत भी की थी. राजपाल ने एक एजेंसी से बात करते हुए बताया था कि उन्होंने धमकी के बारे में पुलिस के साथ-साथ साइबर क्राइम डिपार्टमेंट को भी आगाह कर दिया है. उन्होंने कहा था कि इस मामले के बारे में वो ज्यादा बात नहीं कर सकते हैं. मामले की जांच चल रही है.

पिता के निधन के बाद एक्टर की एक पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो गई है. इस इमोशनल पोस्ट में राजपाल यादव को पिता संग देखा जा सकता है. उन्होंने कैप्शन में लिखा था, 'मेरे पिता मेरी जिंदगी में मुझे प्रोत्साहित करने वाले सबसे बड़े इंसान थे. अगर आपने मुझपर भरोसा नहीं किया होता तो मैं आज वो नहीं होता, जो हूं. मेरे पिता होने के लिए शुक्रिया.मैं आपसे प्यार करता हूं.' राजपाल यादव के पिता के निधन की खबर से उनके फैंस भी परेशान और दुखी हैं. एक्टर को तमाम यूजर्स की तरफ से संवेदनाएं मिल रही हैं.

राजपाल यादव के प्रोजेक्ट्स की बात करें तो उन्हें पिछली बार फिल्म 'बेबी जॉन' में देखा गया था. इसके अलावा उन्होंने 'भूल भुलैया 3' और 'चंदू चैंपियन' फिल्म में भी काम किया. फिलहाल राजपाल यादव, अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' और 'आंख मिचोली 2' में काम कर रहे हैं

सौराष्ट्र की जीत में चमके जडेजा

शार्दुल ठाकुर ने जड़ा शतक

राजकोट. भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा रणजी ट्रॉफी में वापसी पर विफल रहे और दूसरी पारी में अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके। वहीं, मुंबई के एक अन्य बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी प्रभावित नहीं कर सके और दोनों पारियों में सस्ते में पवेलियन लौटे। रोहित और यशस्वी ने जम्मू कश्मीर के खिलाफ एलीट ग्रुप-ए मुकाबले की दूसरी पारी में मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े, लेकिन रोहित के आउट होते ही मुंबई की पारी लड़खड़ा गई।

रोहित मुंबई की तरफ से जम्मू कश्मीर के खिलाफ खेलते हुए पहली पारी में 19 गेंद पर केवल तीन रन ही बना पाए थे, लेकिन दूसरी पारी में शुरू में उन्होंने अपने आक्रामक अंदाज का खुलकर प्रदर्शन किया। उन्होंने दूसरी पारी में 28 रन बनाए, जो पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलुरू टेस्ट की दूसरी पारी में 52 रन के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। रोहित ने अपने वास्तविक खेल की झलक दिखाते हुए उमर नजीर पर छक्का जड़ा तथा आकिब नबी और युद्धवीर सिंह पर भी आकर्षक शॉट लगाए, लेकिन भारतीय कप्तान रणजी ट्रॉफी में लगभग एक दशक बाद वापसी करने पर दूसरी पारी में भी क्रीज पर लंबा समय नहीं बिता पाए।

रोहित पिछले कुछ समय से खराब दौर से गुजर रहे हैं और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीड से पहले उनकी नजरें फॉर्म में वापसी पर थी जिस कारण उन्होंने रणजी ट्रॉफी में खेलने का फैसला किया। हालांकि, यहां भी उनकी खराब फॉर्म जारी ही रही। रोहित की खराब फॉर्म का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि उन्होंने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाद के मैचों में 0, 8, 18, 11, 3, 6, 3 और 9 रन बनाए।

मुंबई की पारी लड़खड़ाने के बाद भारतीय ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने संभाला। शार्दुल ने पहली पारी में 51 रन बनाए थे और अब दूसरी पारी में वह शतक लगाने में सफल रहे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक शार्दुल 119 गेंदों पर 17 चौकों की मदद से 113 रन बनाकर नाबाद हैं। स्टंप तक मुंबई ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 274 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 188 रनों की हो गई है। वहीं, तनुष कोटियान 58 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। शार्दुल और कोटियान के बीच आठवें विकेट के लिए अबतक 173 रनों की साझेदारी हो गई है।

रोहित को जम्मू कश्मीर के खिलाफ दूसरी पारी में जीवनदान भी मिला जब नजीर अपनी ही गेंद पर उनका कैच नहीं लपक पाए। रोहित ने इसके तुरंत बाद स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाया। रोहित हालांकि अपने आक्रामक तेवरों को लंबे समय तक बरकरार नहीं रख पाए और नजीर की गेंद पर मिड विकेट पर आबिद मुश्ताक को कैच देकर पवेलियन लौटे।

उन्होंने अपनी पारी में तीन छक्के और दो चौके लगाए। वहीं, यशस्वी भी 51 गेंदों पर 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यशस्वी और रोहित अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन युद्धवीर सिंह ने इन दोनों को आउट किया। यशस्वी ने आउट होने से पहले चार चौके जड़े।

आर्यना सबालेंका लगातार तीसरे फाइनल में

नई दिल्ली.

शीर्ष वरीयता प्राप्त और पिछले दो बार की चैंपियन बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने साल के पहले ग्रैंड स्लेम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के महिला एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सबालेंका ने स्पेन की पाउला बाडोसा को 6-4, 6-2 से हराकर लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई। अब बेलारूसी खिलाड़ी 26 साल बाद लगातार तीन बार यह खिताब जीतने के मार्टिना हिंगिस के रेकॉर्ड की बराबरी करने से एक कदम दूर हैं। हिंगिस ने 1997, 1998 और 1999 में लगातार तीन बार ऑस्ट्रेलियन ओपन अपने नाम किया था। 2023 व 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकी हैं सबालेंका 1997-99 तक लगातार तीन बार यह खिताब जीता था हिंगिस ने सबालेंका ने अपनी खास दोस्त बाडोसा पर आसान जीत दर्ज की। यह बेलारूसी स्टार की ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार 20वीं जीत है। मैच के बाद सबालेंका ने कहा, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं अपना नाम इतिहास में दर्ज कराने के करीब हूं। मुझे खुद पर और अपनी टीम पर गर्व है। यह अविश्वसनीय पल है।

पांड्या क्या रच पाएंगे इतिहास!

नई दिल्ली.

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या की गिनती दुनिया के शानदार ऑलराउंडर्स में होती है। वे जहां गेंदबाजी में अपने करतब दिखाते हैं, वहीं जरूरत पड़ने पर टॉप 6 में आकर विस्फोटक रुख अख्तियार कर बल्लेबाजी में भी टीम की मदद करते हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टी20 मैचों की सीरीज में हार्दिक पांड्या एक ऐसा कारनामा कर सकते हैं, जो भारत की ओर से अभी तक कोई भी खिलाड़ी नहीं कर पाया है। ये काम आसान नहीं है, लेकिन जो आसान काम करे, वो हार्दिक पांड्या ही क्या। हार्दिक पांड्या अब तक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 91 विकेट ले चुके हैं और वे भारत की ओर से इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे नंबर के गेंदबाज बन चुके हैं। उनसे ज्यादा विकेट केवल अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल ने ही लिए हैं। वैसे तो पांड्या की बल्लेबाजी के चर्चे खूब होते हैं, लेकिन वे गेंदबाजी में जिस तरह की मजबूती देते हैं, अक्सर उसकी बात नहीं होती। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में टीम इंडिया केवल एक तेज गेंदबाज यानी अर्शदीप सिंह के साथ मैदान में उतरी।

आम जनता के लिए टिकटों की बिक्री 2 फरवरी से

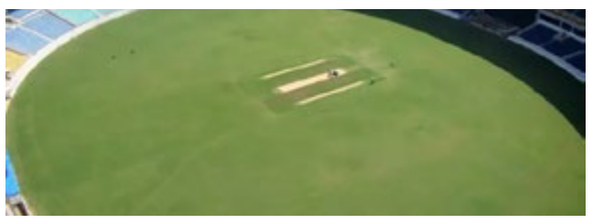

नागपुर.

आगामी भारत और इंग्लंड के बिच खेले जानेवाले श्रृंखला का पहला मैच 6 फ़रवरी से नागपुर के जामठा स्टेडियम में पहला मैच खेला जायेगा. इस दिन रात के मैच के लिए टिकटों की बिक्री मोबाइल एप्लिकेशन "डिस्ट्रिक्ट बाय ज़ोमैटो" और उनकी आधिकारिक वेबसाइट "डिस्ट्रिक्ट.इन" के माध्यम से "ऑनलाइन" किया जायेगा। बिक्री 2 फरवरी, को सुबह 10:00 बजे से शुरू होगी। प्रत्येक व्यक्ति केवल एक मोबाइल नंबर से एक ईमेल आईडी से जुड़े अधिकतम दो टिकट बुक करने का हकदार होगा। ऑनलाइन बुक किए गए टिकट 3 फरवरी से 5 फरवरी तक सुबह 9.30 बजे से रात 8.00 बजे तक सिविल लाइन्स स्थित विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन के बिलिमोरिया हॉल, से प्राप्त किया जा सकता है. टिकट का भुगतान भी मैच के दिन यानी 6 फरवरी को सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक बिलिमोरिया हॉल में ही किया जाएगा। जामठा में कोई टिकट काउंटर नहीं होगा।

रियाल मैड्रिड एक बिलियन यूरो कमाने वाला दुनिया का पहला फुटबॉल क्लब बना

क्लब ने इस सीजन दो बड़े खिताब ला लीगा व चैंपियंस लीग अपने नाम किए और इसका फायदा उसे रेवेन्यू में मिला। रियाल मैड्रिड ने 2023-24 में 1.05 बिलियन यूरो (9454 करोड़ रुपए) का रेवेन्यू कमाया। इसके साथ ही रियाल मैड्रिड फुटबॉल इतिहास में 01 बिलियन यूरो का रेवेन्यू कमाने वाला पहला क्लब बन गया है।

मराठवाड़ा की वसुंधरा ने स्क्वैश खिलाड़ियों में बनाई जगह

नई दिल्ली.

मराठवाड़ा क्षेत्र के छोटे से शहर कलंब से निकली वसुंधरा ने सीमित संसाधनों और साधनों के बावजूद, खेल के प्रति अपने जुनून और दृढ़ संकल्प से लड़कियों की अंडर-15 स्क्वैश श्रेणी में भारत में 8वां स्थान हासिल किया है। कलंब जैसे छोटे से शहर में, जहां स्क्वैश की कोई सुविधा नहीं थी, वसुंधरा ने ऑनलाइन वीडियो और अपने दृढ़ निश्चय से खेल के बारीकियां सीखनी शुरू की। शुरुआती दिनों में कोई कोच, स्क्वैश कोर्ट या मार्गदर्शन न होने के बावजूद, वसुंधरा ने अपने आत्मविश्वास के साथ अभ्यास किया। वसुंधरा की सफलता ने न केवल उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है, बल्कि उनके गृहनगर कलंब में खेलों के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई है। आज, कलंब से पांच खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि सही समर्थन और संकल्प से कोई भी बाधा पार की जा सकती है।

बचपन से ही मुझे चुनौतीपूर्ण खेल बहुत पसंद थे। मैं साइकिल चलाना, रस्सी पर चढ़ना, कराटे, खो-खो, कबड्डी, रग्बी, बैडमिंटन, बुद्धिबळ (चेस), कैरम, और योगा जैसे कई खेल खेलती थी। लेकिन इन सबमें मुझे स्क्वॉश सबसे ज्यादा पसंद आया। कोविड से पहले हमारे गांव में स्क्वॉश कोर्ट नहीं था, तो मैंने स्कूल में ही खेलना शुरू किया। उस समय मेरे पिताजी ने इस खेल के बारे में विस्तार से समझाया और मुझे प्रेरित किया। कोविड के बाद हमारे गांव में राजा शिंदे जी ने एक साधारण स्क्वॉश कोर्ट जैसा कमरा बनवा दिया। 2021 से मैं वहाँ रोज सुबह-शाम मोबाइल पर वीडियो देखकर प्रैक्टिस करती रही।

गैडेकी-पीयर्स ने जीता मिश्रित युगल खिताब

नई दिल्ली.

वाइल्ड कार्ड जोड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मिश्रित युगल खिताब जीता। उन्होंने हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ को हराकर खिताब जीता। ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड ने रॉड लेवर एरिना में रोमांचित प्रशंसकों के सामने एक घंटे और 24 मिनट में हमवतन बिरेल और स्मिथ पर 3-6, 6-4 (10-6) से वापसी की।

गैडेकी और पीयर्स को ग्रैंड स्लैम चैंपियन लेस्ली बोरे और बिल बोरे ने ट्रॉफी प्रदान की, और यह जीत पीयर्स के लिए दूसरा ऑस्ट्रेलियाई खिताब है, जिन्होंने 2017 में हेनरी कोंटिनेन के साथ पुरुष युगल खिताब जीता था। 36 वर्षीय पीयर्स, जिन्होंने मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस में ओलंपिक युगल स्वर्ण जीता था, ने स्टॉर्म सैंडर्स के साथ 2022 यूएस ओपन मिश्रित युगल खिताब और हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल खिताब भी जीता। गैडेकी के लिए, मेलबर्न ट्रॉफी किसी प्रमुख टूर्नामेंट में उनकी पहली ट्रॉफी है।

22 वर्षीय गैडेकी और 36 वर्षीय पीयर्स ने 25 विजयी मुकाबलों में जीत हासिल की और 2013 के बाद से पहले ऑल-ऑस्ट्रेलियाई मिश्रित युगल ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन बन गए, जब मैट एबडेन और जर्मिला गजदोसोवा ने ताज उठाया था। टूर्नामेंट के आंकड़ों के अनुसार, वे ओपन युग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी ऑल-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी भी हैं, इससे पहले 2005 में एबडेन और गजदोसोवा, स्कॉट ड्रेपर और सामंथा स्टोसुर और 1992 में मार्क वुडफोर्ड और निकोल प्रोविस ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

ओपन युग के इतिहास में पहली ऑल-ऑस्ट्रेलियाई फाइनल में जीत हासिल करके, और 1967 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार, इसका मतलब है कि टूर्नामेंट के लगातार 14वें संस्करण में, कम से कम एक एओ ट्रॉफी पर एक स्थानीय नाम अंकित हो गया है।

भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी गुकेश

नई दिल्ली. विश्व चैंपियन डी गुकेश भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वे विश्व शतरंज रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। नीदरलैंड्स के विज्क ऑन जी में आयोजित टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में गुकेश का शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने पांचवें दौर के मैच में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराया। जिससे उन्हें रैंकिंग में फायदा हुआ। गुकेश ने हमवतन अर्जुन एरिगेसी को रैंकिंग में पीछे छोड़ा। टूर्नामेंट में गुकेश के 3.5 अंक हैं। टूर्नामेंट में अभी आठ दौर की बाजियां खेली जानी बाकी है, गुकेश दो जीत

और तीन ड्रॉ के साथ हमवतन आर प्रग्गनानंदा और उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक से पीछे संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं।

भारतीय खिलाड़ी विश्व चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोई टूर्नामेंट खेल रहे हैं। जिस विंसेंट कीमर को गुकेश ने हराया है, वह कुछ महीने पहले तक उनकी ही टीम का हिस्सा थे। सिंगापुर में हुई विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिए गुकेश ने जो टीम तैयार की थी उसमें विंसेंट भी शामिल थे। उन्होंने गुकेश को चैंपियन बनाने में काफी मदद की। गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप में कोशिश की थी कि वह लिरेन के खिलाफ मैचों को लंबा खींचे। वह चाहते थे कि लिरेन थक जाएं। विंसेंट ने भी गुकेश के खिलाफ यही रणनीति अपनाई।

उन्होंने कोशिश की और मैच को लंबा खींचा। वह शुरू से ही मजबूत पॉजिशन में नहीं ते लेकिन वह मैच को खींचकर 72वें मूव तक ले गए। दोनों की बीच मुकाबला छह घंटे तक चला। गुकेश को विंसेंट के बाद अपने एक और साथी का सामना करना है। पेंटाला हरिकृष्णा भी गुकेश की विश्व चैंपियनशिप टीम का हिस्सा थे।

मनोज तिवारी ने कोच गौतम पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली.

मनोज तिवारी और भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर के बीच सबकुछ ठीक नहीं है। तिवारी पिछले कुछ दिनों में गौतम पर कई गंभीर आरोप लगा चुके हैं।

अब एक इंटरव्यू में उन्होंने फिर से भारतीय कोच को लेकर बयान दिए हैं। तिवारी ने गंभीर पर 'गाली और धमकी' का उपयोग करने का आरोप लगाया। तिवारी ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के दिनों में हुई बहस को याद किया। उन्होंने बताया कि दोनों के बीच लगभग भिड़ंत हो ही गई थी और लड़ने वाले थे। तिवारी ने कहा कि उनकी लगभग लड़ाई होने ही वाली थी, लेकिन केकेआर के तत्कालीन गेंदबाजी कोच वसीम अकरम ने रोक दिया था।

तिवारी ने ललनटॉप से कहा, 'जब कोई नया खिलाड़ी उभरता है तो उसे अखबार में जगह दी जाती है। शायद यही एक कारण है कि गंभीर मुझसे नाराज हो गए थे। अगर पीआर टीम होती, तो मैं आज भारत का कप्तान होता।' उन्होंने कहा, 'एक बार ईडन गार्डेंस पर मेरे बल्लेबाजी क्रम को लेकर हमारी तीखी बहस हुई थी। मैं बहुत परेशान था और वॉशरूम गया था।

गंभीर अंदर घुस गए और कहा, 'यह रवैया काम नहीं करेगा। तुझे कभी फिर से खिलाऊंगा नहीं। इसके अलावा उन्होंने कई और बातें कहीं। मैंने उनका सामना किया और उनसे पूछा कि वह इस तरह से क्यों बात कर रहे हैं। वह मुझे धमकी दे रहे थे। वसीम अकरम भी आए। वह हमारे गेंदबाजी कोच थे, इसलिए उन्होंने चीजों को शांत किया, अन्यथा हाथपाई भी हो सकती थी।'

दोनों के बीच 2015 में रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान भी विवाद हुआ था और तिवारी ने कहा था कि गंभीर मैदान पर उन्हें गालियां दे रहे थे। उन्होंने कहा, 'यह रणजी ट्रॉफी मैच था और मैं क्रीज पर गार्ड कर रहा था। वह स्लिप से गाली दे रहे थे। किसी को भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। गंदी गंदी गाली दे रहे थे। फिर उन्होंने कहा, शाम को मिलो, मैं तुम्हारी पिटाई करूंगा। मैंने कहा, 'शाम को क्यों, चलो अब लड़ते हैं। मैं भी मजबूत था।'

आईसीसी ने चुनी 2024 की 'वनडे टीम ऑफ द ईयर'

नई दिल्ली.

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से शुक्रवार को 2024 पुरुष वनडे टीम का ऐलान किया गया है। हैरानी की बात है कि इस टीम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी जगह बनाने में विफल रहे हैं जबकि श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के क्रिकेटर्स जगह बनाने में सफल रहे हैं। इस टीम में श्रीलंका के 4, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के 3-3 खिलाड़ी, जबकि वेस्टइंडीज के एक खिलाड़ी को जगह दी गई। इस टीम की कमान श्रीलंका के चरिथ असलंका को दी गई है, जबकि विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी कुसल मेंडिस को सौंपी गई है।

आईसीसी पुरुष वनडे ऑफ द ईयर में हमेशा से भारत का दबदबा रहा है, लेकिन 2024 में भारतीय टीम ने इस प्रारूप में सिर्फ तीन मैच खेले हैं और सभी में उसे शिकस्त का सामना करना पड़ा है। इन तीनों मैचों

में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने 2024 में 11 वनडे खेले, जिसमें 7 मैच में जीत और 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। 2024 वनडे प्रारूप में भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन अपेक्षानुरुप नहीं रहा है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 2024 में 10 वनडे मैच में 43.71 की औसत से स्टीव स्मिथ ने 306 रन बनाए हैं और वह इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया

भारत का इंडोनेशिया मास्टर्स में अभियान समाप्त

नई दिल्ली.

चिराग शेट्टी- सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और लक्ष्य सेन को गुरुवार को दूसरे दौर में मिली हार के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। इस मैच में मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रोह के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक को थाईलैंड की जोड़ी ने 22-20, 23-21 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में तीन और दूसरे गेम में दो गेम प्वाइंट गंवा दिए। दुनिया के 10वें नंबर के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मैच में एक घंटे और 13 मिनट तक संघर्ष करने के बाद हार कर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद केंटा निशिमोटो ने पहला गेम जीता, जबकि लक्ष्य सेन ने दूसरा गेम

जीतने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। लक्ष्य सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाकर निर्णायक गेम को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया, लेकिन केंटा निशिमोटो ने धैर्य बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने नाम करने के लिए शानदार वापसी की और मैच को 21-16, 12-21, 23-21 से जीत लिया।

लक्ष्य सेन का केंटा निशिमोटो के साथ यह पांचवां मुकाबला था और इस हार के बावजूद, भारतीय शटलर वर्तमान में उनसे हेड-टू-हेड मुकाबले में 3-2 से आगे हैं। राउंड 2 में सेन के बाहर होने के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स में पुरुष और महिला वर्ग में भारत का एकल अभियान भी समाप्त हो गया। तनीषा क्रास्टो-ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में मलेशिया की हू पैंग रॉन-चेंग सु यिन से हार का सामना करना पड़ा। पहला गेम हारने के बावजूद, मलेशियाई खिलाड़ियों ने अगले दो गेम में वापसी करते हुए मैच को 18-21, 21-15, 21-19 से जीत लिया। तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी इंडोनेशिया मास्टर्स में मलेशिया के गो पेई की और तेह मेई जिंग के खिलाफ पहला गेम जीता, लेकिन अगले दो गेमों वे भी 13-21, 24-22, 21-18 से मैच हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

'ऑफिस में महिलाओं के साथ अनचाहा व्यवहार भी यौन उत्पीड़न'

> मद्रास हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

चेन्नई.

मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कार्यस्थल पर अवांछित व्यवहार भी यौन उत्पीड़न की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने कहा कि उत्पीड़नकर्ता की मंशा चाहे जो भी हो, यह कृत्य आपराधिक कृत्य है। दरअसल, न्यायमूर्ति आर.एन. मंजुला ने इस बात पर जोर दिया कि पीओएसएच अधिनियम यौन उत्पीड़न के पीछे के इरादे की तुलना में उसके कृत्य को प्राथमिकता देता है। कोर्ट ने कहा कि कार्य स्थल पर अवांछित व्यवहार यौन उत्पीड़न है, चाहे उत्पीड़क का इरादा कुछ भी हो। यदि कोई बात अच्छी तरह से स्वीकार नहीं की जाती है,और यह अनुचित है और दूसरे लिंग, यानी महिलाओं को प्रभावित करने वाले अवांछित व्यवहार के रूप में महसूस की जाती है, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह यौन उत्पीड़न की परिभाषा के अंतर्गत आएगा। कोर्ट ने अमेरिकी अदालत के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा।हाईकोर्ट ने कहा कि तर्कसंगतता का मानक एक ऐसा पैमाना है जिसे महिलाओं द्वारा तथा उनकी भावनाओं के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए, न कि इसके विपरीत होना चाहिए।

मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि यह मौलिक अनुशासन और समझ है जिसके साथ अलग-अलग लिंगों के कर्मचारियों से एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की अपेक्षा की जाती है, जहां शालीनता ही मापदंड है और कुछ नहीं। कोर्ट ने कहा कि यह वह शालीनता नहीं है जो अपराधी अपने भीतर सोचता है, बल्कि यह है कि वह दूसरे लिंग को अपने कार्यों के बारे में कैसा महसूस कराता है।

3 महिला कर्मचारियों ने शिकायत दर्ज कराई थी

ऑफिस में यौन उत्पीड़न से जुड़ा हुआ है। एचसीएल टेक्नॉलजीज की 3 महिला कर्मचारियों ने एक शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका सीनियर उसके साथ अनचाहा व्यवहार करता है। इसके खिलाफ इन महिलाओं ने आईसीसी में शिकायत दर्ज कराई थी। महिलाओं ने अपने शिकायत में कहा था कि उनका सीनियर उनके पीछे बहुत सटकर खड़ा होता है। वहीं, सीनियर उनके कंधों को छूता है हाथ मिलाने पर जोर देता है। सीनियर ने अपने ऊपर लगे आरोपों पर साफाई भी दी और कहा कि उसकी मंशा महिलाओं को असहज करने की नहीं थी। उसका काम है अपने अधीनस्थों के काम की निगरानी करना। इस वजह से वह पीछे खड़ा हो कर काम देखता है।

दया याचिका पर राष्ट्रपति को निर्देश देने की मांग

नई दिल्ली.

पत्नी की हत्या मामले में सजा काट रहे स्वामी श्रद्धानंद उर्फ मुरली मनोहर मिश्रा की दया याचिका को लेकर केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को जानकारी दी। केंद्र ने कहा कि पत्नी की हत्या के आरोप में 30 साल से जेल की सजा काट रहे श्रद्धानंद की दया याचिका में राष्ट्रपति को निर्णय करने का निर्देश देने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 84 वर्षीय श्रद्धानंद उर्फ मुरली मनोहर मिश्रा की दया याचिका पर सुनवाई की। मामले में केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने याचिका पर निर्देश प्राप्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि याचिका में राष्ट्रपति को निर्णय करने का निर्देश देने की मांग की गई है। क्या ऐसी याचिका पर विचार किया जा सकता है? कृपया याचिका पर गौर किया जाए।

इस पर पीठ ने कहा कि श्रद्धानंद को अदालत को धन्यवाद देना चाहिए कि उस बार आप बच गए। अब पीठ ने सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित कर दी। श्रद्धानंद के वकील वरुण ठाकुर ने कहा कि याचिकाकर्ता 30 साल से अधिक समय से जेल में है और बीमारियों से पीड़ित है।जुलाई 2008 में सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ ने श्रद्धानंद की मृत्युदंड की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया और निर्देश दिया कि उसे उसके जीवनकाल में जेल से रिहा नहीं किया जाएगा।

लॉरेंस बिश्नोई से लेकर बंबीहा गैंग तक की मुश्किलें बढ़ीं

नई दिल्ली.

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों पर शिकंजा कसना शुरू हो चुका है। ट्रंप प्रशासन उन लोगों को अमेरिका से बाहर करने की तैयारी में है जो अपने देश में अपराध के लिए वांटेड हैं। इसी को देखते हुए पंजाब पुलिस ने उन गैंगस्टरों की सूची तैयार करनी शुरू कर दी है, जो अमेरिका या अन्य देशों में रहकर अपराध कर रहे हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आमतौर पर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी होती है, लेकिन ट्रंप प्रशासन के कार्यकारी फैसलों के चलते वांटेड अपराधियों को जल्दी भारत लाए जाने की संभावना बढ़ गई है।

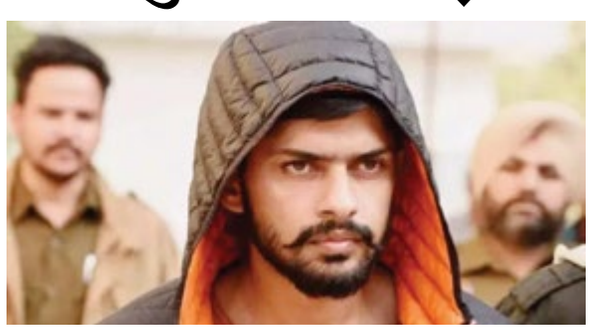

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिकत, एक पुलिस अधिकारी ने कहा, "हमें इस संभावना के लिए पूरी तरह से तैयार रहना होगा और इन व्यक्तियों के आपराधिक इतिहास को साबित करने के लिए आवश्यक सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे। ये गैंगस्टर या तो अवैध रूप से अमेरिका पहुंचे हैं या फिर जाली पासपोर्ट और फर्जी पहचान के जरिए वहां गए हैं। ये सभी वहां अवैध रूप से रह रहे हैं और पंजाब में आपराधिक नेटवर्क चला रहे हैं। इसलिए अमेरिकी अधिकारियों की नजर इन पर है।" पुलिस ने बताया कि अमेरिका और कनाडा में बसे इन गैंगस्टरों की संख्या दर्जनभर से अधिक है और उनके खिलाफ दस्तावेजी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

सैफ पर अटैक मामले में आया बांग्लादेश की पूर्व पीएम का नाम

ढाका.

सैफ अली खान पर हमले का मामला लगातार सुर्खियों में है। सैफ पर चाकू से हमला करने वाला शरीफुल इस्लाम सज्जाद अब मुंबई पुलिस की गिरफ्त में है। पुलिस उससे हमले के बारे में सारी जानकारी निकालने में जुटी है। इस बीच हमलावर के पिता मोहम्मद रूहुल अमीन ने आज एक बड़ा खुलासा करते हुए अपने बेटे को निर्दोष बताया है। पिता मोहम्मद रूहुल अमीन ने दावा किया कि उनका बेटा निर्दोष है और भारत से उसे तुरंत रिहा करने का आग्रह किया। शरीफुल को कथित तौर पर अभिनेता सैफ अली खान पर हमलों के सिलसिले में मुंबई में गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि शरीफुल इस्लाम बांग्लादेश के दक्षिणी जिले झालाकाथी के राजाबरिया गांव का रहने वाला है, जो राजधानी ढाका से 200 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित है।हमलावर के पिता ने कहा कि मैं 3 या 4 दिन बाद बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय जाऊंगा और बांग्लादेश सरकार से अपने बेटे को रिहा करने के लिए कूटनीतिक पहल करने का अनुरोध करूंगा।

वक्फ संशोधन बिल पर जेपीसी की बैठक में हंगामा

> 10 विपक्षी सांसद समिति की सदस्यता से निलंबित

नई दिल्ली.

वक्फ संशोधन विधेयक पर संसदीय समिति की बैठक शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। हंगामा थमता न देख समिति के 10 सांसदों को पूरे दिन के लिए कमेटी की सदस्यता से निलंबित कर दिया गया। इससे पहले बैठक के दौरान विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि उन्हें मसौदा कानून में प्रस्तावित बदलावों का अध्ययन करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जा रहा है। आज भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी कश्मीर के मीरवाइज उमर फारूक के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के विचार सुनने वाली थी।

बैठक में हुए हंगामे के बाद वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक से सभी 10 विपक्षी सांसदों को दिनभर के लिए निलंबित कर दिया गया। निलंबित विपक्षी सांसदों में कल्याण बनर्जी, मोहम्मद जावेद, ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, नासिर हुसैन, मोहिबुल्लाह, एम अब्दुल्ला, अरविंद सावंत, नदीमुल हक, इमरान मसूद शामिल हैं।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने विपक्षी सदस्यों को निलंबित करने का प्रस्ताव पेश किया। इसे समिति ने स्वीकार कर लिया। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने दावा किया कि विपक्षी सदस्यों का आचरण शर्मनाक था, क्योंकि वे बैठक के दौरान लगातार हंगामा कर रहे थे और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। मीरवाइज को बुलाने से पहले समिति के सदस्यों ने आपस में चर्चा की और इसी दौरान विपक्षी नेताओं के साथ बैठक में हंगामा हो गया। विपक्षी सदस्यों ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को जल्द स्वीकार करने पर जोर दे रही है। बैठक के दौरान तीखी बहस के कारण कार्यवाही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। मीरवाइज के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल समिति की बैठक फिर से शुरू होने के बाद उसके सामने पेश हुआ।

संभल मामले में याचिका पर सुनवाई एक हफ्ते बाद

नई दिल्ली.

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह संभल में अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली याचिका पर एक सप्ताह बाद सुनवाई करेगा। बता दें कि यह मामला इस वजह से उठाया गया था, क्योंकि बीते दिनों संभल हुई तोड़फोड़ के आरोपियों पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने संपत्तियों को ध्वस्त किया था। इसके विरोध में याचिकाकर्ता ने इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उल्लंघन बताते हुए सर्वोच्च न्यायल का दरवाजा खटखटाया था। मामले में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता मोहम्मद गयूर के वकील ने अदालत से मामले की सुनवाई के लिए एक सप्ताह का समय मांगा, क्योंकि बहस करने वाले वकील को व्यक्तिगत परेशानी हो रही थी। कोर्ट ने वकील की बात मानी और याचिका पर एक सप्ताह बाद सुनवाई करने का निर्णय लिया। साथ ही दायर याचिका में यह कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के संभल में अधिकारियों ने याचिकाकर्ता या उसके परिवार के किसी सदस्य को पूर्व सूचना दिए बिना 10-11 जनवरी को उनकी संपत्ति के एक हिस्से को बुलडोजर से तोड़ दिया। याचिकाकर्ता का कहना है कि उनके पास संपत्ति से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज, स्वीकृत नक्शे और अन्य संबंधित कागजात थे, लेकिन फिर भी अधिकारियों ने उनकी संपत्ति को ध्वस्त कर दिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के नवंबर 2024 के फैसले में यह स्पष्ट किया गया था कि सार्वजनिक स्थानों जैसे सड़क, गली, फुटपाथ, रेलवे लाइन या जल निकायों पर अनधिकृत संरचनाओं के ध्वस्तीकरण के लिए कोई आदेश नहीं होगा,

कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के मसीहा थे : धनखड़

नई दिल्ली.

भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जन्म जयंती के अवसर पर आयोजित स्मृति कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उन्हें सामाजिक न्याय का मसीहा बताया है. जगदीप धनखड़ ने समस्तीपुर बिहार में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि उन्होंने सत्ता की राजनीति में परिवारवाद का विरोध किया और आरक्षण लागू कर एक बड़ी आबादी के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोले. स्मृति कार्यक्रम में अपने संबोधन में कर्पूरी ठाकुर को भारत के महान सपूत की संज्ञा दी. उन्होंने कहा कि अपने छोटे से काल में ही कर्पूरी ठाकुर ने सामाजिक और राजनीतिक तौर पर कायाकल्प करने का नया इतिहास लिखा. सदियों की जड़ता तोड़ी. वह ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने समता युग की नई शुरुआत की. उन्होंने अपना जीवन समाज के हाशिये पर रहने वाले लोगों के लिए समर्पित कर दिया था.उपराष्ट्रपति ने आगे कहा- आदर्श व्यक्तित्व का नजीर क्या होता है यह जानने के लिए हमें कर्पूरी ठाकुर के जीवन को देखना चाहिए. उनका त्याग, उनका समर्पण सब आदर्श उदाहरण हैं. वह एक ऐसे राष्ट्रीय नेता थे, जो जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर समानता और विकास पर फोकस रखते थे.

कर्पूरी ठाकुर की दूरदर्शिता को रेखांकित करते हुए वाइस प्रेसिडेंट जगदीप धनखड़ ने कहा- वो स्टेट्समैन थे. वर्तमान में काम करने के साथ-साथ भविष्य का भी चिंतन करते थे, उन्होंने आरक्षण लागू किया. किसी विरोध की परवाह नहीं की. उन्होंने अंग्रेजी की अनिवार्यता को भी खत्म किया. सरकारी दफ्तर में हिंदी कामकाज को बढ़ावा दिया लेकिन उनका उपहास भी हुआ. अब हमें लग रहा है वो कितने दूरदर्शी थे. उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर वर्तमान की भी सोचते थे और भविष्य की भी. वो पहले मुख्यमंत्री थे देश में जिन्होंने शिक्षा पर ध्यान दिया, वो पहले मुख्यमंत्री थे देश में जिन्होंने राज्य में मैट्रिक तक पढ़ाई मुफ्त की.इस दौरान बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, डॉ. हरिवंश, रामनाथ ठाकुर, भागीरथ चौधरी, नित्यानंद राय के साथ ही अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे.

माइकल मार्टिन दूसरी बार बने आयरलैंड के प्रधानमंत्री

> पीएम मोदी ने साथ काम करने की प्रतिबद्धता जताई

आयरलैंड.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन को उनके दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई दी। गुरुवार को संसद में मतदान के बाद माइकल मार्टिन को दूसरे कार्यकाल के लिए आयरलैंड का प्रधानमंत्री चुना गया।

सोशल मीडिया पर पीएम मोदी ने बताया कि भारत आयरलैंड के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करना चाहता है।"आयरलैंड के प्रधानमंत्री बनने के लिए माइकल मार्टिन को बधाई। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आयरलैमड के साथ मिलकर काम करने के लिए भारत प्रतिबद्ध है।

फियाना फेल पार्टी के नेता माइकल मार्टिन को उनके नामांकन के पक्ष में 95 वोट और विरोध में 76 वोट पड़े।

मार्टिन एक गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे, जिसमें फियाना फेल, उसके ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्वी फाइन गेल और निर्दलीय सांसद शामिल होंगे। बुधवार को मतदान के बाद मार्टिन के नामांकन में देरी हुई। इस दौरान विपक्ष के विरोध के कारण आयरिश संसद को स्थगित कर दिया गया था। बातचीत के माध्यम से गतिरोध को रात भर सुलझाया गया, जिसके कारण अगले दिन मतदान शुरू हो सका।

पीएम ने रुपये का शतक बनाने का बना लिया है मन

> घटते मूल्य पर कांग्रेस ने साधा निशान

नई दिल्ली.

कांग्रेस ने डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत में गिरावट को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा है। पार्टी की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में रुपए के कीमत में 50 प्रतिशत की गिरावट आई है और रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार से अरबों डॉलर खर्च करने के बावजूद रुपया संभल नहीं रहा है। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया गुरुवार को नौ पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.44 पर बंद हुआ था। श्रीनेत ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में तंज कसते हुए कहा, "मैं 'मैग्निफाइंग ग्लास' से ढूंढ रही हूं कि रुपया कहां तक गिरता चला गया है?

रुपये के मूल्य को 50 प्रतिशत तक डुबो दिया

सुप्रिया श्रीनेत ने बताया कि जब नरेन्द्र मोदी मई 2014 में भारत के प्रधानमंत्री बने थे, तब डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 58 थी। उन्होंने कहा, "मई 2014 में एक डॉलर 58 रुपये का था और जनवरी 2025 में 1 डॉलर की कीमत 87 रुपये है।" श्रीनेत ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने रुपये के मूल्य को 50 प्रतिशत तक डुबो दिया है। कांग्रेस नेता ने कहा, "हालात ये हैं कि रुपए को बचाने के लिए रिजर्व बैंक ने पूरी ताकत लगा दी है। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब डॉलर था, लेकिन इसके बाद से रुपये को बचाने के लिए 80 अरब डॉलर यानी 6,83,000 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए, लेकिन रुपया संभल नहीं रहा है।"

इसी से यह भी ढूंढ रही हूं कि प्रधानमंत्री की गरिमा कहां तक गिर गई है? आज रुपया ढूंढने पर भी नहीं मिल रहा है, गिरता ही चला जा रहा है, संभाले नहीं संभल रहा। रुपया 87 पर गोते लगाने को तैयार है।" उन्होंने आगे कहा, "लगता है किसी ने प्रधानमंत्री मोदी को गलत बता दिया है। रुपए से सेंचुरी नहीं लगवानी है, रुपए को संभालना है। सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री मोदी की एक पुरानी टिप्पणी का हवाला देते हुए कटाक्ष किया, "एक बड़े महान अर्थशास्त्री ने कहा था कि जैसे-जैसे रुपया गिरता है, प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा गिरती है। सुना है प्रधानमंत्री आवास पर खुदाई चल रही है और ढूंढा जा रहा है कि प्रधानमंत्री की प्रतिष्ठा आखिर कौन से गड्ढे में जाकर गिर गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर 87 पार जाने वाला है।

'कर्नाटक विश्वविद्यालय के प्रस्तावों को जल्द मंजूरी दे केंद्र'

> खड़गे की धर्मेंद्र प्रधान से अपील

नई दिल्ली.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने प्रधान से कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय से संबंधित प्रमुख प्रस्तावों को जल्द से जल्द से मंजूरी देने का आग्रह किया। यहां खरगे जिन प्रस्तावों की बात कर रहें है वे अभी केंद्र सरकार के पास लंबित है।

केंद्रीय मंत्री को लिखे पत्र में खरगे ने कहा कि यह विश्वविद्यालय कर्नाटका और उसके आसपास के क्षेत्रों के छात्रों के लिए शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने लिखा कि ये विश्वविद्यालय शैक्षिक असमानताओं को दूर करने और विकास के अवसरों को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाता है।

साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने कुछ नए स्नातकोत्तर विभागों की स्थापना के लिए प्रस्ताव दिए हैं, जैसे सांख्यिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पादप और पशु विज्ञान, आनुवंशिकी, और अन्य। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि 55 नए शिक्षण पदों की भी आवश्यकता है ताकि इन विभागों को चालू किया जा सके। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने लड़के-लड़कियों के लिए छात्रावास बनाने के लिए भी एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावों में तेजी लाने की अपील

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि इन प्रस्तावों को मंजूरी देने के लिए सरकार से हरी झंडी की जरूरत है। साथ ही उन्होंने शिक्षा मंत्री से इन प्रस्तावों की मंजूरी में तेजी लाने की अपील की है, ताकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र और वंचित छात्रों को इसका लाभ मिल सके।